(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

टेनिस एल्बो के दर्द को दूर कर...8

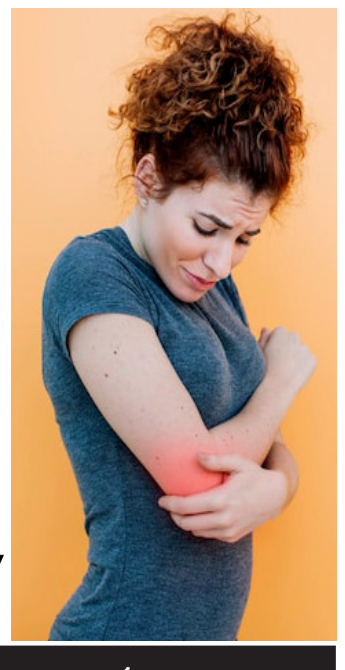

शनिवार, 09 अप्रैल 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 110 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादकः राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

करौली हिंसा पर गरमायी सियासत, बीजेपी बोली– राजस्थान में तालिबानी शासन, बहुसंख्यक अपने त्योहार मनाने में भी हिचकते हैं

नई दिल्ली। राजस्थान के करौली में आगजनी और हिंसा को लेकर राजनीति तेज हो गई। राजस्थान के हिंसा प्रभावित करौली में ऐहतियात के तौर पर कर्फ्यू को 10 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है। वहीं पूरे मामले पर बीजेपी ने राजस्थान सरकरा को सवालों के कटघरे में खड़ा किया है। बीजेपी की तरफ से कहा गया कि राजस्थान को जलता हुआ देखकर हम चुप नहीं रह सकते हैं। इसके साथ ही बीजेपी ने राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार की तुलना तालिबानी शासन से कर दी है। बीजेपी ने पूरे मामले पर आज प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए राजस्थान बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि राजस्थान में अशोक गहलोत मानव अधिकारों पर चोट कर रहे हैं। क्या हिंदू सिर्फ पिटने के लिए हैं, मुकदमे के लिए ही हैं। क्या उनके मानवाधिकार नहीं हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री होने के बावजूद वो देश के प्रधानमंत्री से हिंसा रोकने की बात करते हैं। राजस्थान में जिस तरह से तुष्टिकरण की राजनीति अशोक गहलोत जी कर रहे हैं, उससे ऐसा लगता है कि राजस्थान में तालिबानी शासन है।

सतीश पूनिया ने कहा कि करौली, राजस्थान के मामले में जुलूस की अनुमति थी, अनुमति के बाद सीएलजी की मीटिंग हुई। जो दोषी थे, वो सीएलजी की बैठक में मौजूद थे। उसके बाद जो हुआ वो आप सभी के सामने है। सतीश पुनिया ने कहा कि पिछले 3 वर्षों में करीब 7 लाख एफआईआर राजस्थान में दर्ज हुई हैं। इसमें मॉब लिंचिंग के मामले, सांप्रदायिक हिंसा भी

हैं और खास तौर पर महिलाओं से दुष्कर्म के मामले एक साल में ही 6,337 सामने आए हैं। राजस्थान की शांति को खत्म करने के लिए केवल अशोक गहलोत दोषी हैं। उनकी जो तुष्टिकरण की नीति है, उससे साफ नजर आता है कि उन्होंने खुद बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक के नाम से एक पक्ष खड़ा कर दिया है।

सतीश पूनिया ने कहा कि राजस्थान पुलिस को कांग्रेस के लोगों की जासूसी के लिए वहां के मुख्यमंत्री ने इस्तेमाल किया। अपने उपमुख्यमंत्री और पीसीसी चीफ के खिलाफ राजद्रोह का मुकदमा इन्हीं की सरपरस्ती में हुआ। पुलिस को अपनी कुर्सी की सुरक्षा के लिए अशोक गहलोत जी ने लगाया हुआ है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एक निजी कार्यक्रम में सवाई माधोपुर आये। लेकिन राजस्थान के मुख्यमंत्री बयान देते हैं कि जेपी नड्डा आये और दंगा भड़काकर चले गए। राजस्थान के मुख्यमंत्री अपनी कुर्सी को खिसकते हुए देखकर इस तरह की बयानबाजी कर रहे है।

पूनिया ने कहा कि पिछले 3 वर्षों का ट्रैक रिकॉर्ड देखेंगे तो पाएंगे कि राजस्थान में बहुसंख्यक अपने त्योहार मनाने में भी हिचकते हैं, उनको डर लगता है। इसके अनेकों उदाहरण हैं, वो कश्मीर फाइल को देखने से लोगों को रोकने के लिए धारा 144 का प्रयोग कर रहे हैं। राजस्थान के करौली में हुई घटना पर भाजपा नेता राज्यवर्धन सिंह राठौर ने कहा कि राजस्थान के अंदर राज्य सरकार तालिबानी सोच के साथ काम कर रही है। पुलिस को घटना की पहली से जानकारी क्यों नहीं थी? वहां 14–15 दुकानों को जलाया गया। मामले में अब तक किसी की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई है?

इतने दिन में 9.74 लाख युवाओं के हाथों में होंगे फ्री टैबलेट

जानिए योगी सरकार की तैयारी

लखनऊ। योगी सरकार युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने में जुटी हुई है। इसके लिए जल्द ही युवाओं के हाथों में 9.74 लाख टैबलेट और मोबाइल फोन होंगे। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने

इसे अपनी 100 दिन की कार्ययोजना में शामिल कर लिया है। राज्य सरकार ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। कोरोना महामारी के कारण पिछले दो साल से युवाओं की पढ़ाई–लिखाई पर बुरा प्रभाव पड़ा। कोराना के कारण स्कूल–कालेज बंद हो गए। युवाओं की शिक्षा में बाधा न आए, इसके लिए सरकार ने ऑनलाइन एजुकेशन शुरू किया, लेकिन इसमें एक बड़ी बाधा युवाओं का तकनीकी रूप से सक्षम न होना था। योगी सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन देने की योजना प्रारम्भ की। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए दो करोड़ युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन देने का लक्ष्य रखा है। इसी कड़ी में प्रदेश सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने अपने 100 दिन की कार्ययोजना में युवाओं को 9.74 लाख टैबलेट और स्मार्टफोन देने को शामिल किया है। इसके लिए राज्य सरकार ने तैयारी शुरू कर दिए। प्रदेश सरकार ने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इसके लिए सभी आवश्यक कार्यवाही जल्द से जल्द पूरी कर ली जाए और तय समय के भीतर युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन दे दिए जाय। अधिकारियों को निर्देश दिया है कि प्रत्येक जनपद से टैबलेट और स्मार्टफोन के लिए पात्र छात्रछात्राओंध्लाभार्थियों को चिह्नित किया जाय।

दिल्ली सरकार ने अपने कर्मचारियों को मासिक किस्त पर ई–वाहन मुहैया कराने की योजना बनाई

नयी दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण कम करने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिक वाहन खरीद को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की योजना अपने कर्मचारियों को मासिक किस्त पर ई–दुपहिया वाहन मुहैया कराने की है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। सरकार ने ई–साइकिल को बढ़ावा देने के लिए बृहस्पतिवार को एक प्रमुख योजना की घोषणा की। इसके तहत पहले 10,000 इलेक्ट्रिक साइकिल खरीददारों को 25 फीसदी (10,000 रुपये तक का) प्रोत्साहन मिलेगा जबकि पहले 1,000 खरीददारों को अतिरिक्त 2,000 रुपये का फायदा मिलेगा। एक अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि दिल्ली सरकार अपने कर्मचारियों को इलेक्ट्रिक दुपहिया वाहन मुहैया कराने के लिए केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के तहत आने वाली 'कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड' (सीईएसएल) के साथ साझेदारी करने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पंजीकृत नए वाहनों में दो तिहाई संख्या दुपहिया (स्कूटर और मोटरसाइकिल) वाहनों की होती है। इसे देखते हुए यह महत्वपूर्ण है कि राजधानी में

वायु प्रदूषण में कमी लाने के लिए इस हिस्से को ई–वाहनों में तब्दील किया जाए। अधिकारियों के अनुमान के मुताबिक, दिल्ली सरकार के तहत दो लाख से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि सरकारी कर्मचारियों के लिए इलेक्ट्रिक दुपहिया योजना से आम जनता को ऐसे वाहन अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों को उनके विभाग के जरिए इलेक्ट्रिक दुपहिया वाहन खरीदने के लिए बढ़ावा मिलेगा और उनके पास पूरा भुगतान करने या ईएमआई चुनने का विकल्प होगा। सीईएसएल के एक अधिकारी ने बताया कि उन्होंने पिछले साल नवंबर में दिल्ली सरकार से संपर्क किया था और साझेदारी पर बातचीत चल रही है। सीईएसएल राजमार्गों और एक्सप्रेसवे समेत राजधानी में चार्जिंग के बुनियादी ढांचे का निर्माण करने और उसके रखरखाव के लिए जिम्मेदार होगी। कंपनी ने केरल, गोवा और आंध्र प्रदेश से पहले ही करार कर लिया है।

जिहादियों के लिए ऐप डिजाइन कर रहा था गोरखपुर मंदिर का हमलावर, यह था बड़ा मकसद

लखनऊ। हाल में ही गोरखनाथ मंदिर की सुरक्षा में खड़े जवानों पर हमले की कोशिश की गई थी। दावा किया जा रहा है कि हमलावर गोरखनाथ मंदिर में घुसने की कोशिश में था। हमलावर का नाम मुर्तजा अब्बासी था। हमले के बाद

मुर्तजा अब्बासी को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस दौरान उत्तर प्रदेश एटीएस लगातार मुर्तजा से पूछताछ कर रही है और इसमें बड़े खुलासे भी हो रहे हैं। एटीएस की पूछताछ में बड़ा खुलासा यह हुआ है कि आरोपी मुर्तजा अब्बासी जिहादियों को जोड़ने के लिए एक ऐप पर काम कर रहा था। इस ऐप का नाम उसने जरिमा दिया था। यह भी जानना जरूरी है कि गरिमा का अरबी अनुवाद जुल्म होता है। दावा किया जा रहा है कि इस ऐप के जरिए वह पियर टू पियर संदेशों का आदान–प्रदान करता था। इस ऐप को डिजाइन करने का उसका मकसद सिर्फ और सिर्फ उन लोगों को जोड़ना था जो जिहाद के रास्ते पर जाना चाहते थे। इसके अलावा वे उन लोगों को भी इससे जोड़ने की कोशिश कर रहा था जिन्हें लगता था कि मुसलमानों पर जुल्म हो रहा है। दावा तो यह भी किया जा रहा है कि मुर्तजा किसी बड़े हमले की तैयारी में था। मुर्तजा बातचीत के लिए कोड का इस्तेमाल करता था। यही कारण है कि एटीएस उससे लगातार पूछताछ कर रही है। माना जा रहा है कि वह आईएसआईएस से भी प्रभावित है। यही कारण है कि इस संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि उसके पास कोई बड़ी जानकारी हो। मुर्तजा अब्बासी कौन है: अब्बासी ने 2015 में आईआईटी मुंबई से केमिकल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की है। उसने कई बड़ी कंपनियों में काम किया है जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज और एस्सार पैट्रोल केमिकल्स शामिल है। उसके पिता मोहम्मद मुनीर कई फाइनेंस कंपनियों के एडवाइजर रहे हैं। आपको बता दें कि केमिकल इंजीनियरिंग में पढ़ाई करने के बाद मुर्तजा ने ऐप डेवलपिंग का भी कोर्स किया था। घरवालों का दावा है कि 2017 से उसके मानसिक हालात ठीक नहीं है। यूपी एटीएस के मुताबिक आरोपी कुछ दिन पहले नेपाल गया था और मंदिर में जिस धारदार हथियार से इसने हमले की कोशिश की उसे उसने महाराजगंज से खरीदा था। मुर्तजा अब्बासी गोरखपुर का ही रहने वाला है। हालांकि आतंकी साजिश के शक में पुलिस लगातार इसकी जांच कर रही है और आसपास के इलाकों में सर्च ऑपरेशन भी चला रही है।

एकेटीयू में वित्त समिति की बैठक में लिये गये कई निर्णय

लखनऊ। डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में गुरूवार को 60वीं वित्त समिति की बैठक कुलपति प्रो0 प्रदीप कुमार मिश्र की अध्यक्षता में हुई। बैठक में विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गयी। कई प्रस्तावों पर समिति ने निर्णय भी लिये। वित्तीय वर्ष 2022–23 के आय–व्यय पर विस्तृत चर्चा के बाद ए0के0टी0यू0 छात्र कल्याण निधि, राज्य प्रवेश परीक्षा, यूपीआईडी नोएडा, आईईटी एवं वास्तुकला संकाय का बजट पारित किया गया। इस दौरान डोन तकनीकी, आइडिया लैब, फैब लैब एवं एआई लैब पर अनुमोदन प्रदान किया गया। वहीं एकेटीयू की तरह यूपीआईडी नोएडा में भी पारिश्रमिक पर एक डॉक्टर रखे जाने का अनुमोदन किया गया, जबकि विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को सेवानिवृत्त के बाद दी जाने वाली अर्थिक सहायता राशि 08 लाख रूपये एवं मानदेय कर्मचारियों को एलआईसी से नयी ग्रुप ग्रेच्युटी कैश एकुमलेशन प्लान में सम्मिलित किया जाने का भी निर्णय समिति ने लिया। बैठक में उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा के विशेष सचिव, सुनील चौधरी, एकेटीयू के वित्त अधिकारी जीपी सिंह, कुलसचिव नंदलाल सिंह, समिति के सदस्य आईआईटी, रूढ़की के प्रो0 संदीप सिंह, राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज अंबेडकर नगर के निदेशक, प्रो0 संदीप तिवारी, आईईटी के निदेशक प्रो0 विनीत कंसल, वास्तुकला संकाय की प्राचार्या प्रो0 वंदना सहगल, कैश के निदेशक प्रो0 एम0के0 दत्ता, यूपीआईडी नोएडा के निदेशक प्रो0 वीरेंद पाठक, परीक्षा नियंत्रक प्रो0 अनुराग त्रिपाठी, उपकुलसचिव डॉ0 आरके सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बढ़ती महंगाई पर राहुल गांधी ने साधा निशाना, कहा- BJP नफरत फैलाकर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में जुटी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी राजद नेता शरद यादव के आवास पर पहुंचे हैं। हाल ही में शरद यादव लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल में शामिल हुए हैं। इसी दौरान उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए बढ़ती महंगाई को लेकर सरकार पर जमकर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने कहा कि भारत के मौजूदा आर्थिक हालात के संदर्भ में आने वाला वक्त कैसा होगा इसका आप अंदाजा भी नहीं लगा सकते हैं।

जो आने वाला है, वह आप ने देश बना दिए गए हैं और सबको एक दूसरे से लड़ाया जा रहा है। जब यह दर्द आएगा तो हिंसा आएगी। अभी मत मानो मेरी बात। 2–3 साल रुक जाओ, फिर देख लेना। राहुल ने कहा कि इन्होंने जो यह रीढ़ की हड्डी तोड़ी है, इसका नतीजा अगले 2–4 साल के अंदर आएगा और वह नतीजा बहुत भयंकर होगा। राहुल गांधी ने कहा कि जैसे रूस यूक्रेन को कह रहा है कि डोनबास और लुहांस्क आपका नहीं है। उसी तरह से चीन भारत को कह रहा है कि लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश आपका नहीं है। इसलिए उन्होंने अपने फौज वहां बैठा रखी है। जो मॉडल वहां लागू हुआ है, वह यहां भी किया जा सकता है। इससे पहले कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने भी महंगाई को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि महंगाई को लेकर कांग्रेस ने नहीं बल्कि लोगों ने मोर्चा खोला है। पेट्रोल–डीजल की कीमत 100 रुपए से ज्यादा हो गई है। यह कहां का न्याय है? दुनिया में भारत तीसरे नंबर पर हैं, जहां पेट्रोल, डीजल की कीमतें बढ़ गई हैं। लोगों की महंगाई से कमर टूट रही है।

Corruption खत्म करने के आप के दावे पर भाजपा हुई हमलावर, कहा– भ्रष्टाचार के तालाब में गोते लगा रही केजरीवाल सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल लगातार भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने की बात कर रहे हैं। वह पंजाब में जीत के बाद अब विभिन्न राज्यों का दौरा कर रहे हैं और वहां पार्टी के अस्तित्व को खड़ा कर रहे हैं। इन सबके बीच में विभिन्न राज्यों में यह भी दावा कर रहे हैं कि दिल्ली के बाद पंजाब में आई भगवंत मान के सरकार ने भी भ्रष्टाचार को खत्म कर दिया है। इसी को लेकर अब भाजपा ने भी अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। भाजपा ने एक के बाद एक कई ट्वीट कर केजरीवाल के भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को खोखला बताया है। इतना ही नहीं, हाल में ही दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन के ऊपर हुई कार्रवाई को लेकर भी भाजपा लगातार केजरीवाल से सवाल पूछ रही हैं। एक ट्वीट में दिल्ली

भाजपा ने दावा किया कि जानबूझकर केजरीवाल ने जनलोकपाल बिल अटकाया है और भ्रष्ट आप नेताओं को जेल जाने से बचाया है। एक और ट्वीट में भाजपा ने लिखा कि केजरीवाल के खास सत्येंद्र जैन का भ्रष्टाचार से है पुराना नाता। इसके साथ ही सत्येंद्र जैन के ऊपर की गई सीबीआई कार्रवाई के कुछ स्क्रीनशॉट भी डाले गए है। इसके साथ ही भाजपा ने एक ट्वीट किया। अपने ट्वीट में लिखा कि हद कर दी आपने करप्शन खत्म करने में भी किया भ्रष्टाचार। इसके साथ ही उसकी ओर से एक वीडियो भी जारी किया गया। इस वीडियो में केजरीवाल10 दिन में भ्रष्टाचार खत्म करने के बाद कर रहे हैं, कहीं 16 दिन में तो कहीं 20 दिन में भ्रष्टाचार खत्म करने की बात कर रही हैं। एक ट्वीट में दिल्ली भाजपा ने लिखा कि भ्रष्टाचार के तालाब में गोते लगा रही है। केजरीवाल सरकार भाजपा सांसद परवेश साहिब सिंह वर्मा ने अपने ट्वीट में लिखा कि अरविंद केजरीवाल कह रहा है कि पंजाब में 10 दिन में भ्रष्टाचार खत्म हो गया, केजरीवाल जी अगर भ्रष्टाचार खत्म हो गया तो टैक्स के पैसों से ज्ट पर प्रचार क्यों किया जा रहा है **YouTube** पर डाल दो वहीं से जनता देख लेगी की भ्मसचसपदम नंबर क्या है? कैसे और कितना भ्रष्टाचार कम और खत्म हुआ। आपको बता दें कि दिल्ली में एमसीडी के चुनाव होने हैं। हालांकि फिलहाल कुछ दिनों के लिए इसे आगे बढ़ाया गया है। इन सबके बीच आम आदमी पार्टी और भाजपा लगातार एक दूसरे पर हमलावर रहती है।

दबंगों द्वारा जबरन रास्ते की भूमि पर बुनियाद भरने से क्षुब्ध पीड़ित ने कौड़िया थाने में दी तहरीर

गोण्डा। जिले के थाना कौड़िया अन्तर्गत ग्राम आर्यनगर छितौनी में दबंगों द्वारा रास्ते की भूमि पर बुनियाद भरकर कब्जा किये जाने का विरोध करने पर दबंगो द्वारा पीड़ित को मारने के लिए दौड़ाये जाने और जानमाल की धमकी दिये जाने का मामला सामने आया है, जिसके संबंध में पीड़ित ने कौड़िया थाने में दी तहरीर दी है। प्रकरण थाना कौड़िया अन्तर्गत ग्राम पंचायत छितौनी का है,जहां दबंगों द्वारा रास्ते की भूमि पर बुनियाद भरकर कब्जा किया जा रहा था। पीड़ित द्वारा विरोध करने पर दबंगो ने मारने के लिए दौड़ाया एवं जानमाल की धमकी दिया। पीड़ित राजेश कुमार उर्फ पप्पू पुत्र श्याम मनोहर शुक्ल व बिन्देश्वरी प्रसाद निवासी ग्राम आर्यनगर छितौनी थाना कौड़िया जनपद गोण्डा द्वारा थाने पर दी गई तहरीर में कहा गया है कि दिनांक 27ध्03ध्2022 को समय करीब पांच बजे शाम को विपक्षी रामकरन पुत्र सूर्य प्रसाद व सुधीर कुमार पुत्र राजेंद्र प्रसाद निवासी पता उपरोक्त सभी लोग मिलकर रास्ते में बुनियाद भरने की नियत से ईंट रख दिए हैं। जब पीड़ित ने देखा और मना किया कि रास्ता क्यों बंद कर रहे हैं तब उपरोक्त विपक्षीगणों द्वारा भद्दी भद्दी गाली देकर मारने के लिए उसे दौड़ाया गया,किसी तरह भागकर उसने अपनी जान बचाकर थाने पर तहरीर दी। पीड़ित पप्पू शुक्ला ने बताया कि सुधीर कुमार पुत्र राजेंद्र प्रसाद बहराइच जिले के थाना पयागपुर मे डायल 112 में सिपाही के पद पर कार्यरत हैं जिसे लेकर वह अक्सर फर्जी मुकदमे में फंसा देने की धमकी देते रहते हैं और कहते हैं यदि रास्ते के लिए आप लोग ज्यादा भागदौड़ करोगे तो पयागपुर थाने में आप लोगों के खिलाफ फर्जी मुकदमा लिखाकर और जेल भिजवा दूंगा। मैं खुद सिपाही हूं मेरा कोई कुछ बिगड़ने वाला नही। उक्त संबंध में थानाध्यक्ष कौड़िया प्रबोध कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है जांचोपरांत नियमानुसार सुसंगत कार्यवाही की जाएगी।

सात माह बाद कब्र से निकाला गया महिला का शव

सीजेएम कोर्ट के आदेश पर निकाला गया शव, विवेचना सीओ सदर को मिली

सोहावल–अयोध्या। सीजेएम के आदेश पर सात माह पूर्व हुई विवाहिता की मौत पर दफनाये गये शव को क्षेत्राधिकारी की मौजूदगी में निकाले जाने और उक्त मामले की विवेचना सीओ सदर को सौंपे जाने से स्थानीय पुलिस की कार्यशैली ने सवालिया निशान खड़े कर दिये हैं। रौनाही थाना क्षेत्र चिर्रा जगन पुर निवासी विवाहिता कुसुम पत्नी विक्रम की संदिग्ध परिस्थितियों में 4सितबर को हुई मौत हुई थी। मामले की संदिग्धता को देखते हुए थाना पूरा कलंदर टोनिया बिहारी का पुरवा निवासी मृतिका के भाई संतोष कुमार ने मृत्यु पर संदिग्धता व्यक्त की थी। शिकायत कर्ता के अनुसार कुसुम का विवाह चिर्रा जगन पुर निवासी विक्रम पुत्र सुरेश के साथ हुआ था। 4 सितंबर की शाम को ससुराल पक्ष से हमे बीमार होने की जानकारी दी गयी। मौके पर पहुंचने पर मेरी बहन मरी हुई मिली। 5 सितंबर को रौनाही पुलिस को तहरीर में ससुराल पक्ष पर हत्या कर आत्महत्या का रूप देने का आरोप लगाया था। लेकिन कोई कार्यवाही नही होने पर धारा 156ध्3 के तहत नायायालय की शरण में गुहार लगाने पर विवश होना पड़ा। कोर्ट के आदेश पर सात माह बाद मृतक के शव को निकालकर पोस्टमार्टम कराने के लिए पुलिस हरकत में आई। विवेचक सीओ सदर शैलेंद्र प्रताप गौतम की मौजूदगी मे शव को बाहर निकाला गया। इसके पूर्व पुलिस ने मामले की लीपापोती के बदले गंभीरता लेकर कार्यवाही करती तो इतने माह तक न्याय के इंतजार नही करना पड़ता। मामले में क्षेत्राधिकारी सदर ने बताया कि कोर्ट के आदेशानुसार शव को निकाल कर पंचनामा कर पीएम के लिए भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट छानबीन सहित माननीय न्यायालय द्वारा मिलने वाले अग्रिम आदेश के अनुसार निष्पक्ष कार्यवाही की जायेगी।

न्याय पंचायत स्तरीय स्कूल चलो अभियान रैली का किया गया आयोजन

करनैलगंज(गोंडा)। प्राथमिक विद्यालय नरायनपुर कला शिक्षा क्षेत्र कटरा बाजार गोंडा के प्रांगण में न्याय पंचायत स्तरीय स्कूल चलो अभियान रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैसरगंज सांसद प्रतिनिधि सुनील सिंह व विशिष्ट अतिथि साबुन निशा ग्राम प्रधान नरायनपुर कला एवं खंड शिक्षा अधिकारी आरपी सिंह रहे। कार्यक्रम का संचालन रंजीत यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई ।तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत हुआ। न्याय पंचायत नरायनपुर कला के प्रा.वि.नरायनपुर कला, प्रा. वि. मथुरा एवं प्रा.वि. धर्मपुर में स्मार्ट क्लास के संचालन हेत स्मार्ट टीवी एवं प्रोजेक्टर का अनावरण अतिथियों द्वारा किया गया। रैली को मुख्य अतिथि एवं खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। सभी शिक्षकों ने नामांकन बढ़ाने हेतु रैली को नरायन पुर कला की प्रत्येक गली से निकाला। इस अवसर पर न्याय पंचायत के अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालयों के शिक्षक उपस्थित रहे।

चरागाह एवं बाढ़ शरणार्थी स्थल की जमीन पर अवैध रूप से बनाए गए 33 पक्के मकानों व दो दर्जन अस्थाई दुकानों पर चला बुलडोजर

करनैलगंज(गोंडा)। चरागाह एवं बाढ़ शरणार्थी स्थल की जमीन पर अवैध रूप से बनाए गए 33 पक्के मकानों व दो दर्जन अस्थाई दुकानों पर बुलडोजर चलाया गया। सभी मकानों को गिरा कर धराशाई करते हुए जमीन की सतह के बराबर कर दिया गया। .. करनैलगंज तहसील क्षेत्र के ग्राम चचरी पाल्हापुर में स्थित एक बड़े मैदान जिस पर राजनेताओं का हेलीकॉप्टर उतरने के साथ–साथ मंच भी बनाया जाता है। इसके अलावा बाढ़ आने पर इस मैदान को शरणार्थी स्थल के रूप में प्रयोग किया जाता है। यह भूमि चरागाह में दर्ज है, इस भूमि पर किनारे किनारे लोगों ने काफी पुराने समय से कब्जा कर अवैध तरीके से मकान बना लिया था। जिसे चिन्हित करने का काम पूरा होने के बाद प्रशासन द्वारा विधानसभा चुनाव के पूर्व सभी मकान मालिकों व अवैध कब्जेदारों को मकान खाली करने एवं अवैध अतिक्रमण को हटा लेने की नोटिस मकानों पर चस्पा की गई थी। मगर अतिक्रमणकारियों द्वारा अतिक्रमण न हटाने पर प्रशासन ने भारी मात्रा में पुलिस बल के साथ एसडीएम की अगुवाई में 34 पक्के मकानों को बुलडोजर से ढहा दिया। जिसमें कई दो मंजिला मकान, दुकाने एवं 1 मंजिला मकान शामिल हैं। इसके अलावा करीब 2 दर्जन से अधिक अस्थाई दुकानें ढाबली रखी हुई थी। उसे भी प्रशासन ने हटवाया, दिन में 11 बजे से बुलडोजर से अतिक्रमण हटाने का काम शुरू हुआ जो देर शाम तक चलता रहा। दो बुलडोजर इस कार्य में लगाए गए थे। अतिक्रमण हटाओ अभियान में एसडीएम हीरालाल, तहसीलदार पुष्कर मिश्रा, पुलिस क्षेत्राधिकारी मुन्ना उपाध्याय, कोतवाल प्रदीप कुमार सिंह, राजस्व निरीक्षक अवधेश कुमार दूबे व एक दर्जन लेखपालों सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया था। इस अतिक्रमण हटाओ अभियान में एक ऐसा परिवार बेघर हो गया जिसके पास एक इंच भी जमीन नही है। मुन्नालाल गोस्वामी जो चाट का ठेला लगाकर अपने परिवार व माता पिता की जीविका चलाता है। उसे 15 वर्ष पहले इंदिरा आवास मिला था। वह भूमिहीन था इसलिए उस समय उसको आवास बनाने के लिए कहा गया था। 7 लोगों का परिवार है उसका भी मकान अतिक्रमण की जद में आने से गिरा दिया गया। अतिक्रमण की चपेट में आये 3 भूमिहीन परिवारों के प्रति एसडीएम ने दरियादिली दिखाते हुए ग्राम प्रधान व राजस्व कर्मचारियों से एक सप्ताह के भीतर उन्हें जमीन का पट्टा देने के निर्देश दिए हैं। एसडीएम हीरालाल ने बताया कि इस सरकारी भूमि को खाली कराने के निर्देश हाईकोर्ट ने 2019 में ही दिया था। तभी से प्रक्रिया चल रही है। नियमानुसार सभी को नोटिस जारी किया गया। दो माह की मोहलत भी दी गई थी। मगर स्वतः अतिक्रमण न हटाने पर बुल्डोजर चलाया गया है। अतिक्रमण की चपेट में आने वाले रमेश कुमार, श्री पाल, अयोध्या, मंजू, ओम सिंह, शिव प्रसाद, राजू, सूर्यभान, निराई, ननके, रोहिणी, दद्दन सिंह, राकेश कुमार सिंह, बड़कऊ, रघुनाथ, गंगाराम,रामा, गुल्ले, रामू, विनोद, प्रतिपाल, विनय राय, संतोष कुमार, गुड्डू सिंह, सर्वेश सिंह, राघवेंद्र, जगदंबा, भगवती,स्वयंबर, बुद्धू, सर्वेश सिंह,विश्राम, हरिपाल, पुजारी, अवधेश का मकान व दुकाने सामिल हैं। जिन्हें बुल्डोजर से हटाया गया।

नव्य अयोध्या योजना से शहरवासियों की बढ़ी मुश्किलें

अयोध्या। श्रीरामजन्मभूमि के निर्माण के साथ ही जहां प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भव्य अयोध्या बनाने का संकल्प लिया था वहीं मास्टर प्लान के तहत निर्माण में सड़कों के चौड़ीकरण की समस्या से बेघर होने का भय लोगों में है। जिसे लेकर अयोध्या विकास प्राधिकरणमें तमाम लोगों ने आपत्तियां डाली थीं। उक्त आपत्तियों के निस्तारण को लेकर अयोध्या विकास प्राधिकरण की बैठक टाउन प्लानर गोरकी कौशिक की अध्यक्षता में हुई। जिसमें बड़ी संख्या में शहर के व्यापारी नेता सुशील जायसवाल के प्रतिनिधित्व में व्यापारियों व नागरिकों ने शिरकत किया। आपत्तियों पर सुनवाई करते हुए टाउन प्लानर गोरकी कौशिक ने बताया कि फिलहाल अभी न तो कोई चौड़ीकरण होने जा रहा है और न ही किसी प्रकार के विस्थापन की योजना है। परंतु आबादी बढ़ने के साथ 1983 के मास्टर प्लान के तहत शासन व समिति के दिशानुरूप काम किया जाएगा। बताया सबकी आपत्तियां सुन ली गईं हैं। सुझाव भी समिति को भेजा जाएगा। समिति के निर्देशानुसार मास्टर प्लान आधारित निर्णय भविष्य में लिया जाएगा। वहींआपत्तिकर्ताओं का कहना रहा जहां आवश्यकता है वहां पर मास्टर प्लान के आधार पर 45 मीटर सड़कों का चौड़ीकरण किया जाए। लिंक रोड पर जहां रिहायशी इलाके हैं सड़कों की चौड़ाई पर्याप्त है। 45 मीटर का मास्टर प्लान लागू करना निष्प्रयोज्य है। ऐसी तमाम लिंक रोड पर अतिक्रमण हटाकर नालियों तक सड़क निर्माण कराने का सुझाव रखा गया।

अनी बुलियन के आरोपियों के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई

पुलिस बल व प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में कुर्की की कार्रवाई

मिल्कीपुर–अयोध्या। अनी बुलियन कंपनी के आरोपितों के घर को भारी पुलिस बल व प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में कुर्की की कार्रवाई शुरू हुई । जिसमें डायरेक्टर अजीत गुप्ता के कुमारगंज स्थित बाजार पर पुलिस ढोल नगाड़े के साथ पहुंची ।उसके घर को सील करने के बाद जेल गए कन्हैया कौशल , अंजनी कौशल के कुमारगंज मंडी में बना आलीशान मकान में भी ताला लगाया गया । कंपनी की एक मिनी बस को भी सीज किया गया। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की इस कार्यवाही से कंपनी में पैसा जमा किए निवेशने तालियां बजाकर पुलिस वालों का स्वागत किया । 15 वर्ष पूर्व कुमारगंज बाजार में कुमारगंज निवासी अजीत गुप्ता ने अनी बुलियन कंपनी खोलकर लोगों का पैसा अधिक ब्याज का लालच देकर जमा कराना शुरू किया था । कुछ दिन तो कंपनी अपने वादे के मुताबिक लोगों का लेनदेन करती रही। लेकिन 3 वर्ष पूर्व कंपनी अपने दर्जनों जिलों में खुले कार्यालय में ताला बंद कर तकरीबन एक अरब रुपए लेकर फरार हो गई । जिसके बाद निवेशकों ने अलग–अलग स्थानों में डायरेक्टर अजीत गुप्ता समेत 10 लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराया था। कुमारगंज पुलिस अब तक 7 लोगों को पकड़ कर जेल भेज चुकी है लेकिन अभी भी थाना क्षेत्र के रहने वाले 3 लोग फरार हैं ।जिनकी तलाश पुलिस कर रही है। उक्त मामले के विवेचक थाना प्रभारी खंडासा संतोष कुमार सिंह ने बताया कि 5 लोगों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही की गई थी। जिनकी संपत्तियां कुर्क की जा रही है इसके बाद नीलामी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी ।

धरातल पर नहीं उतर पा रही स्वास्थ्य मंत्री की घोषणा

52 चिकित्सकों की जगह मात्र 24 चिकित्सक

अयोध्या। जिले के अस्पतालों की हालत खस्ताहाल सरकार के निशुल्क दवाएं और इलाज मिलने के दावों की खुल रही पोल। गरीबों की कट रही है जेब नहीं मिल रहा है जरूरी इलाज और दवाएं सिटी स्कैन और अल्ट्रासाउंड की जांच। जिला अस्पताल में समाजवादी सरकार के समय से सीटी स्कैन की मशीन खराब पड़ी है। जो ना तो ठीक हो रही है और ना ही कंपनी इसे वापस ले रही है जिसके चलते इसे कंडम घोषित कर नई मशीन नहीं लग रही है। गरीब मरीजों को बाहर से महंगा अल्ट्रासाउंड कराने के साथ प्राइवेट अस्पताल मे गम्भीर बीमारियो का इलाज कराने हेतु जाना पड़ रहा है। यही हाल चिकित्सकों का है यहां पर एक भी फिजीशियन नहीं है दवाओं के नाम पर कुछ ही दवाएं हैं जिनको डॉक्टर हर मर्ज में देकर खाना पूरी कर रहे है। यहां पर 52 चिकित्सकों की जगह मात्र 24 चिकित्सक ही वर्तमान समय में कार्यरत हैं जबकि शहर की 10 लाख आबादी के अलावा अगल–बगल के जिलों से भी भारी संख्या में मरीज रोज यहां पर अपनी गंभीर बीमारियों का इलाज कराने आते हैं। चिकित्सकों दवा और सिटी स्कैन की खराब मशीन की शिकायत यहां की जनता कई बार यहां के भाजपा के सांसद लल्लू सिंह नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता सहित सभी जनप्रतिनिधियों से कर चुकी है। परंतु इसका निदान नहीं हो रहा है। वर्तमान डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री बने जनप्रिय लोकहित के साथ सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास जीतने और जनता के विश्वास पर खरा उतरने वाले बृजेश पाठक की तरफ जिले की जनता आशा भरी निगाहों से देख रही है। देखना है कि अयोध्या के जिला अस्पताल सहित जिले के सभी सीएचसी पीएचसी में सी एम की घोषणा के अनुसार विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती कब हो पाती है और दवाओं एवं सिटी स्कैन एवं महिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की मशीन एवं इससे संबंधित जांच का प्रबंध कब हो पाएगा।यहाँ की पीड़ित जन मानस ने भी इन आधारभूत सुविधाओं से अस्पतालों को लैस करने की मांग स्वास्थ्य मंत्री से दोहराई है।

मांगों को लेकर धरने पर बैठे वेटनरी कॉलेज के छात्र–छात्राएं

मिल्कीपुर–अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वेटनरी कॉलेज साइंस एवं एनिमल हसबैण्ड्री के करीब 200 छात्र–छात्राएं अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। धरने पर बैठे छात्र–छात्राओं की मांग है कि उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कोई भत्ता नहीं दिया जा रहा है आईसीएआर से तीन हजार रुपए प्रतिमा दिया जा रहा है। उनकी मांग है कि प्रदेश सरकार द्वारा भत्ता 15000 रुपये प्रति महीने दिया जाना चाहिए तभी वह धरने से उठेंगे। उन्होंने कहा कि यह धरना जब तक जारी रहेगा जब तक उत्तर प्रदेश सरकार उनकी मांगों को पूरा नही करती है। देश के अन्य राज्यों के वेटरनरी कॉलेजों में 15000 से 24000 तक भत्ता वेटरनरी कॉलेज के छात्र छात्राओं को मिल रहा है कुछ दिन पहले राजस्थान और बिहार कॉलेज के छात्र–छात्राएं भत्ता बढ़ाने की मांग को लेकर धरने पर बैठे थे। वहां की सरकार ने उनकी मांग को मानकर भत्ता बढा दिया है। राजस्थान में 14000 प्रति माह और हरियाणा के हियार में 17000 प्रति माह भत्ता देना शुरू कर दिया है। उनकी भी यह मांग पूरी होनी चाहिए तभी सभी छात्र धरने से उठेंगे। बता दें कि पिछले काफी समय से छात्र यहां पर भी मांग कर रहे हैं लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। गुस्साए छात्रों ने कृषि विश्वविद्यालय के मुख्य गेट पर बैठकर नारेबाजी के साथ धरना प्रदर्शन कर रहे हैं । धरना प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही विश्वविद्यालय के वेटरनरी कॉलेज के अधिष्ठाता डॉक्टर आर के जोशी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर डी नियोगी, कुलपति के सेक्रेटरी डॉक्टर जसवंत सिंह, डॉक्टर जेपी सिंह मौके पर पहुंचकर छात्र छात्राओं से कह रहे थे कि धरना प्रदर्शन बंद कर आप लोग क्लास करिए आपका धरना प्रदर्शन हो गया सरकार तक बातें पहुंच गई है। लेकिन वेटरनरी कॉलेज के छात्र–छात्राओं का धरना प्रदर्शन जारी है।

75 घंटे का अनवरत काव्यपाठ हुआ प्रारम्भ

देश के 750 कवि देंगे अपनी प्रस्तुति

अयोध्या। भारतीय साहित्य में समाहित मनोभाव को कलात्मक रुप से अभिव्यक्त करते अनवरत 75 घंटे चलने वाले काव्यपाठ का राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संतकबीर सभागार में उद्घाटन हुआ। राष्ट्रीय कवि संगम के तत्वाधान में शिवरात्रि पर श्रीलंका से चलने वाली राम वन गमन पद यात्रा अयोध्या पहुंची थी। जिसके समापन पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। 75 घंटे अनवरत चलने वाले काव्यपाठ में 9 अप्रैल को राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में होगा। राष्ट्रीय कवि संगम के प्रान्तीय सलाहकार हरीश श्रीवास्तव ने बताया कि राम वन गमन पद यात्रा की शुरुवात श्रीलंका से शिवरात्रि पर हुई थी। भगवान ने वन गमन के दौरान जिन स्थानों पर विश्राम किया था। इन्हीं स्थानों से होते हुए यह काव्य यात्रा अयोध्या पहुंची। यहां यात्रा का अंतिम पड़ाव भरतकुंड में हुआ। जहां देश के विख्यात कवियों ने काव्यपाठ किया। इन कवियों में सुदीप भोला, शिवकुमार व्यास, अजय प्रधान, जमुना प्रसाद उपाध्याय, कमलेश मौर्य, अशोक वर्मा, अर्जुन सिसोदिया, अजय प्रधान,साखी गोपाल पंडा,बाबा सत्यनारायन मौर्य ने भाव विभोर करने वाली प्रस्तुति दी। 07 अप्रैल अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में 75 घंटे का अनवरत काव्यपाठ प्रारम्भ हुआ। इसमें देश के विभिन्न कोनो से आने वाले 750 कवि अपनी प्रस्तुति देंगे। 10 अप्रैल को 10 बजे इस अखण्ड काव्य पाठ का समापन किया जायेगा। राष्ट्रीय कवि संगम के जिलाध्यक्ष अरुण द्विवेदी ने बताया कि 9 अप्रैल को शाम 8 बजे अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह में वृहद कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें बाबा सत्यनारायन मौर्य, डा हरिओम पवार, कमलेश मौर्य, प्रो शम्भू मनहर, अर्जुन सिसोदिया, राजेश चेतन, डा अशोक बत्रा, किशोर पारिक, शिव कुमार व्यास, प्रियंका राय, श्रीकांत, कल्पना शुक्ला काव्य पाठ प्रस्तुत करेंगी। कार्यक्रम के संरक्षक भाजपा नेता अशोक सिंह, संयोजक हरीश श्रीवास्तव बनाये गये है। इस अवसर पर राष्ट्रीय कवि संगम के प्रान्तीय मंत्री रवि तिवारी व अन्य पदाधिकारियों के साथ साथ विभिन्न प्रान्तों से आये पदाधिकारी व कवि गण उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय मिर्जापुर को गोद लिया

अयोध्या। शिक्षा क्षेत्र मसौधा के प्राथमिक विद्यालय मिर्जापुर को टाइनी टाट्स स्कूल प्रबंधन ने गोद लिया है। जिससे इस विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्कूल का विकास हो सके। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सन्तोष कुमार देव पाण्डेय रहे। टाइनी टाट्स स्कूल इस प्राथमिक विद्यालय में 50 बच्चों के बैठने के लिए बेंच एवं मेज दान करेगा। साथ ही नई शिक्षानीति एवं स्किल डेवलपमेंट के क्रियाकलापों की जानकारी देगा। टाइनी टाट्स की निदेशक बिन्नी सिंह की व्यक्तिगतरूचि पर विद्यालय को गोद लिया गया है। जो जिले में अनोखी पहल है। इस अवसर पर सांस्कृति कार्यक्रम में बच्चों ने एकांकी, गीत आदि की प्रस्तुति दी। मिर्जापुर प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापक सपना सिंह, सहायक अध्यापक पवन कुमार यादव, पुष्पा यादव, ज्योति दूबे, शिखा सिंह.के अलावा टाइनी टाट्स की शिक्षक राखी, मुक्ति वअन्य मौजूद रहे।

वेतन बढ़ोतरी के लिए प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

अयोध्या। का.सु. साकेत महाविद्यालय कर्मचारी परिषद ने प्राचार्य डॉ अभय कुमार सिंह से मिलकर अस्थाई कर्मचारियो की समस्याओं को लेकर लंबी वार्ता हुई और महंगाई को देखते हुए वेतन बढ़ोतरी के लिए प्राचार्य डॉ अभय कुमार सिंह को कर्मचारी संघ अध्यक्ष बसंत राम महामंत्री सुशांत यादव परिषद के पदाधिकारी गण राजीव कुमार पांडे राकेश यादव अखिलेश कुमार ने ज्ञापन सौंपा प्राचार्य डॉ अभय सिंह ने वेतन बढ़ोतरी का आश्वासन देते हुए कहां कर्मचारी वर्ग हमारी रीड है मैं हमेशा कर्मचारियों के साथ हूं ज्ञापन देने में अस्थाई कर्मचारी सीमा पांडे, मधु श्रीवास्तव, गुलाबचंद, सतीश यादव, अजय शुक्ला, रविंद्र पांडे, रामकरण सिंह, अनुज सिंह, सुशील मिश्रा, अपूर्व पांडे, अवधेश अग्रहरी, राकेश श्रीवास्तव, पवन यादव, अमित श्रीवास्तव, अनूप निषाद, सुधीर कुमार, ऋषि शंकर शुक्ला ,मनोज त्रिपाठी समेत आदि कर्मचारी रहे।

परीक्षा केन्द्रों का कुलपति ने किया निरीक्षण

केन्द्राध्यक्षों को सीटिंग प्लान के तहत परीक्षार्थियों को बैठाने का दिया निर्देश

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने गुरूवार को परिसर में चल रही स्नातक, परास्नातक, वोकेशनल व पीजी डिप्लोमा परीक्षाओं का औचक निरीक्षण किया। कुलपति ने दीक्षा भवन, प्रचेता भवन, राहुल सांकृत्यायन, इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व, बायोकेमिस्ट्री, गणित सांख्यिकी, माइक्रोबायोलॉजी, बायो टेक्नोलॉजी, भौतिक एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सहित अन्य भवनों के परीक्षा कक्षों में जाकर परीक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए छात्रों के सीटिंग प्लान को क्रास चेक किया। कुलपति प्रो. सिंह ने सभी केंद्राध्यक्षों को सीटिंग प्लान के तहत परीक्षार्थियों को बैठाने का निर्देश प्रदान किया और परीक्षा कक्ष में हवा की आवाजाही के लिए खिड़कियों को खुला रखने का निर्देश दिया। कुलपति द्वारा परिसर के परीक्षा केन्द्रों के उपरांत प्रशासनिक भवन के कार्यालयों का भी औचक निरीक्षण किया और कर्मचारियों को समय से उपस्थित रहने का निर्देश प्रदान किया। वहीं दूसरी ओर विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित स्नातक प्रथम सेमेस्टर व विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं सम्पन्न हुई। प्रथम पाली में रसायन व द्वितीय पाली में माइनर विषय की परीक्षा हुई। इसमें विधि, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, सांख्यिकी, फंडामेंटल आफ इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, एक्सटेंशनल एक्टिविटीज एंड रूरल डेवलपमेंट, इंडियन कांस्टीट्यूशन, हिस्ट्री ऑफ अयोध्या प्रश्न पत्रों की परीक्षा परीक्षार्थियों ने दी। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक उमानाथ ने प्रथम पाली की परीक्षा में गुरूनानक गर्ल्स महाविद्यालय व झुनझुनवाला महाविद्यालय का जायजा लिया। निरीक्षण के समय परीक्षा कक्ष में लगे सीसीटीवी कैमरे के संचालन के साथ परीक्षा व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। विश्वविद्याल के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय की दोनों पालियों में 45 हजार 714 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल रहे। जिसमें 2 हजार 484 परीक्षार्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहे।

साहब मेरी मां को कैंसर है बचा ले,अच्छे हॉस्पिटल में करें भर्ती,पैसों से भी करें मददः सांसद जगदंबिका पाल

राजेश शर्मा/
दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल अपने आवास पर लोकसभा क्षेत्र से आए हुए लोगों की समस्या को सुन रहे थे उसी बीच एक 32 वर्षीय युवक ने रोते हुए सांसद जगदंबिका पाल से कहा कि मेरी मां को कैंसर है मैं बहुत ही गरीब हूं मेरी मां को बचा लीजिए, इतना सुनते ही सांसद जगदंबिका पाल ने उसे कुर्सी पर बैठाया और उसकी बात सुनने लगे पीड़ित युवक ने बताया कि वह और उसके भाई मजदूरी करते हैं हैदराबाद में उसका भाई मजदूरी करता है और मेरी मां कों कैंसर हो गया है मेरी मदद करें इतना सुनते ही सांसद जगदंबिका पाल ने तुरंत हैदराबाद के अपने एक प्रतिनिधि को फोन कर तुरंत अच्छे से अच्छे हॉस्पिटल में महिला को भर्ती कराने तथा पूरा खर्चा वहन करने का आदेश दिया,आदेश होते ही प्रतिनिधि ने तुरंत एक हॉस्पिटल में बेड का इंतजाम करवा दिया। युवक काफी संतुष्ट नजर आया, इसी तरीके से मिश्रौलिया थाना क्षेत्र से आई एक महिला ने बताया कि उसकी जमीन पर पड़ोसी कब्जा कर रहा है पुलिस भी नहीं सुन रही है सांसद ने तत्काल थानाध्यक्ष को फोन कर उसकी भी समस्या का समापन किया।

डुमरियागंज के लगभग सभी विधानसभा क्षेत्रों से सैकड़ों महिला और पुरुष अपनी समस्या को लेकर पहुंचे हुए थे सभी की समस्या को बारीकी से सुनते हुए अपने प्रतिनिधियों को लगाते हुए स्वयं भी जिला स्तरीय अधिकारियों को फोन कर आदेश करते हुए उनकी समस्याओं का समाधान करवा रहे थे आने वाला हर पीड़ित लगभग संतुष्ट नजर आ रहा था यह कोई एक दिन का नहीं है यह बरसों से चला रहा है कोई भी व्यक्ति चाहे लखनऊ ,चाहे दिल्ली या संसदीय क्षेत्र के जिला मुख्यालय स्थित आवास पर आकर अपनी समस्या को रखता है और सांसद लगातार शनिवार और इतवार में जनपद में पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान करते रहते हैं उनके इस रवैए से जहां अन्य जनप्रतिनिधियों की अपेक्षा उनकी अलग पहचान बनी है। वही बिना कोई जाति धर्म देखे बिना लगातार सांसद द्वारा योगी और मोदी सरकार की सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनकी समस्याओं का समाधान कराया जाता है, जहा किसी को पैसों की जरूरत होती है तो उसकी पैसे देकर मदद की जाती है और किसी की समस्या शासन स्तर से होता है तो तत्काल अपने प्रतिनिधियों को लगाकर उनकी समस्या का समाधान करवाते हैं सांसद जगदंबिका पाल पीड़ितों की समस्याओं से यही नहीं रुकते हैं वे अपने प्रतिनिधियों से हमेशा पीड़ितों की समस्याओं की जानकारी लेते रहते हैं जब किसी पीड़ित की समस्याओं का समाधान ना हो पाता है तो स्वयं सांसद उसकी पहल करते हुए समस्या का समाधान करते है।

इसी तरीके से यदि कोई दिल्ली आवास पर पहुंच जाता है तो जहां उसके रहने खाने पीने की व्यवस्था की जाती है तो वही उसकी समस्याओं को व्यक्तिगत रूप से सांसद जगदंबिका पाल समाधान करते हैं आपको बता दें कि सांसद के प्रतिनिधि सभी विधानसभा क्षेत्रों में लगे हुए हैं जो लगातार पीड़ितों की समस्याओं का समाधान भी करते हैं सांसद की यही खुबी उन्हें अन्य जनप्रतिनिधियों से अलग बनाती है।सासंद भी कहते है जीवन का उद्देश्य ही सेवा करना है जनता की समस्या हमारी समस्या होती है उसका समाधान सबसे पहले होना चाहिए।

एसडीएम की जाँच में मिला भूमाफियाओं का अवैध कब्जा

श्रवण पटवा/
दैनिक बुद्ध का संदेश
शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ तहसील क्षेत्र के भारत–नेपाल सीमा पर स्थित खुनुवा बाजार मे नो मेन्स लैण्ड से सटे ग्राम पंचायत खुनुवा की जमीन पर अवैध कब्जा कर नेपाल के लोगो को बेचने के मामले मे शुक्रवार को जांच करने के लिए पूरा तहसील प्रशासन मौके पर पहुंच गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक रियाज अहमद पिता निसार अहमद संदिग्धा निवासी धन्धरा आदि ने 28 मंडी जमीन शोहरतगढ़ स्टेट से खरीदा था, जिसका गाटा सं.182 है। उसी गाटे से सटा पूरब के तरफ ग्राम सभा खुनुवा की आबादी व बंजर है, जिसका गाटा संख्या 183क है। उत्तर के तरफ गाटा सं.184ग व 184ख भी बंजर के नाम से कागजात मे दर्ज है। ग्रामीणो के मुताबिक रियाज अहमद आदि ने बंजर और आबादी के बेशकीमती जमीन को गाटा सं.182 के साथ बिना रजिस्ट्री किये चार पांच सौ के स्टाम्प पेपर पर लिखकर कई नेपाली लोगो को बेच कर कब्जा करवा रहा है। जिसकी शिकायत ग्रामीणो ने जिलाधिकारी से भी की थी। शुक्रवार को उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ उत्कर्ष श्रीवास्तव और तहसीलदार धर्मबीर भारती ने तहसील प्रशासन की टीम के साथ खुनुवा पहुंचकर ग्रामीणो के

● ग्रामीणों की शिकायत पर एक्सन में आया शोहरतगढ़ तहसील प्रशासन
● एसडीएम ने दो दिन के भीतर अवैध दिवाल गिराने का दिये निर्देश

मौजूदगी मे पूरे एरिया की पैमाइस की। पैमाइस मे स्वामीनाथ हरिजन के घर से सटा कर दिवाल खड़ा करना गलत पाया गया। जिस पर दो दिन मे दिवाल गिराने की हिदायत तहसील प्रशासन के द्वारा रियाज अहमद को दिया गया। इस सम्बन्ध में उपजिलाधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर ग्राम पंचायत खुनुवा के जमीन की पैमाइस किया जा रहा है, अगर कही अबैध कब्जा होगा तो बिधिक कार्यवाही करते हुए कब्जे को हटवाया जायेगा। तो वही तहसीलदार शोहरतगढ़ धर्मबीर भारती ने बताया कि खुनुवा ग्राम पंचायत में तहसील प्रशासन अपनी नवीन परती और बंजर की भूमि की पैमाइश करने गयी थी। वहां प्रथम दृष्टया रेनू श्रीवास्तव व जुगनारायन द्वारा अवैध कब्जा करना पाया गया। उक्त प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही कर संबंधित अवैध कब्जा धारकों के विरुद्ध बेदखली की कार्यवाही की जाएगी। अब सवाल यह है कि ग्रामीणों की शिकायत पर तहसील प्रशासन अब तक क्या कर रहा था, क्या उसे अवैध निर्माण की जानकारी नही थी या तहसील प्रशासन को कोई छुट भैया नेता गुमराह करने की फिराक में तो नही है। सवाल यह भी है कि शिकायती प्रार्थना पत्र दिनांकित 5 मार्च 22 व गाटा संख्या 183ख पर तहसील प्रशासन कौन सी कारवाहीकर रहा है, क्योंकि गाटा संख्या 183ख का पीड़ित परिवार अब भी न्याय की गुहार लगा रहा है। क्या तहसील प्रशासन शोहरतगढ़ को 100–100 रुपये के स्टाम्प पर नेपाली नागरिकों को बेची जा रही है लाखों रुपये की जमीन विक्री की जानकारी नही, यह भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। मामले की गंभीरता को लेकर प्रधान संगठन जिलाध्यक्ष डॉ पवन मिश्रा की अगुवाई में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया और कहा कि उक्त अवैध जमीन खाली नही हुआ तो खुनुवा ग्राम वासियो द्वारा अन्दोलन किया जाएगा। बहरहाल उक्त पैमाइस के दौरान तहसील प्रशासन के उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ उत्कर्ष श्रीवास्तव, तहसीलदार धर्मबीर भारती, सदर कानूनगो शारदा प्रसाद मिश्रा, लेखपाल शिल्पी गुप्ता, लेखपाल रवि के साथ खुनुवा चौकी इंचार्ज महेन्द्र चौहान, ग्राम प्रधान संजय कुमार, पूर्व प्रधान सीताराम चौधरी, गोकरन गिरी, भोला, रामदेव, प्रमोद, सुदरी, इलियास, गुजराती ,रामरती, शिवमती, गनपति, सुशीशा आदि ग्रामीणो के साथ प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष डा.पवन मिश्र, अभय सिंह, समाजसेवी रवि अग्रवाल, जय प्रकाश पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

जगदंबिका पाल पहले सासंद जो हमारे समाज के बारे में सदन में उठाया

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को गोंडवाना गणतंत्र पार्टी अनुसूचित

जनजाति मोर्चा के कार्यकर्ताओ ने जिला मुख्यालय स्थित सांसद आवास पहुॅच कर डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल का स्वागत किया गया । इस दौरान उमाशंकर गोंड ने कहा लोकसभा में जिस तथ्य को रखा हम सभी लोगों ने देश आजादी के बाद कोई पहले सांसद हैं जो हमारे समाज के बारे में सदन में उठाया गोंड समाज आपका हमेशा रीडि व आभारी रहेगा जब भी हमारे समाज की आपको जरूरत पड़ेगी हम कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए तैयार रहेंगे आप चाहने तो हमारे समाज का भला हो जाएगा जो भी शासनादेश हुए हैं सांसद ने कहा की जिला अधिकारी से बात कर गोंड धुरिया के समाज का प्रमाण पत्र के समस्या को एक सप्ताह के अंदर समाधान करेंगे। इस दौरान पन्ने लाल धुरिया, शिव प्रकाश गोंड, सुग्रीव धुरिया, बृजेश धुरिया, भुमक बृजेश धुरिया, वीरेंद धुरिया, धर्मराज धुरिया, राजेश धुरिया, प्रमोद कुमार धुरिया, रामू धुरिया, गौरी शंकर धुरिया, सुनील कुमार धुरिया, मनोज धुरिया, धुरिया, गणेश शंकर धुरिया आदि सैकड़ों लोगों की उपस्थिति रहा।

स्ट्रीट वेन्डर को रोजगार उपलब्ध कराये : जिलाधिकारी दीपक मीणा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता एवं अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) उमाशंकर की उपस्थिति में प्रधानमंत्री स्वानिधि योजना के सम्बन्ध में विकास भवन सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुये जिलाधिकारी दीपक मीणा ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वानिधि योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है जिसके अन्तर्गत लघु व्यापारीध्स्ट्रीट वेन्डर को रोजगार उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से ऋण उपलब्ध कराया जाता है। जिलाधिकारी द्वारा लाभार्थियों के ऋण के प्रकरण लम्बित पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन लाभार्थियों के ऋण के प्रकरण लम्बित हैं उनका जल्द से जल्द निस्तारण किया जाये। जिससे लघु व्यापारीध्स्ट्रीट वेन्डरो को कोई दिक्कत न हो और वह अपना रोजगार कर सकें। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त उपजिलाधिकारी नौगढ़ विकास कश्यप, उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ उत्कर्ष श्रीवास्तव, अधि0 अधि0 नगर पंचायत उसका बाजार, अधि0 अधि0 नगर पंचायत डुमरियागंज, परियोजना अधिकारी डूडा व बैंक के अधिकारी उपस्थित थे।

विधान परिषद निर्वाचन के लिए पुलिस की तैयारी पुरी

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। विधान परिषद निर्वाचन हेतु जनपद के 14 विकासखंड मुख्यालयों पर बनाए गए मतदान केंद्रों पर सुदृढ़ पुलिस प्रबंध किए गए हैं। कुल 14 थाना प्रभारी 112 उपनिरीक्षक 560 आरक्षी मुख्य आरक्षी तथा 42 महिला आरक्षी तथा एक कंपनी अर्ध सैनिक बल की ड्यूटी मतदान केंद्रों पर लगाई गई है। मतदान केंद्र के आंतरिक व्यवस्था अर्धसैनिक बलों द्वारा देखी जाएगी तथा शेष परिसर की व्यवस्था सिविल पुलिस के जवानों द्वारा देखी जाएगी ससमस्त वाहनों को मतदान केंद्र से 200 मीटर दूर ही रोका जाएगा। कड़ी चेकिंग फीस किंग के पश्चात ही मतदाताओं को मतदान हेतु जाने की अनुमति होगी। मतदाता अपने साथ किसी प्रकार का पेन, मोबाइल फोन अस्त्र शस्त्र या ज्वलनशील पदार्थ पेय पदार्थ मतदान केंद्र के अंदर नहीं ले जा सकेंगे। मतदाताओं के मतदान केंद्र तक पहुंचने में कोई असुविधा ना हो इसके लिए आवागमन के मार्गों पर 47 पीआरबी वाहनों को लगाया गया।

बर्डपुर नं. 14 में परिवार रजिस्टर का नकल मिलते ही ग्रामीण का चेहरा खिला

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। सदर विकास खंड के ग्राम पंचायत बर्डपुर नं.14 में पंचायत सचिवालय में ही निसार अहमद व राकेश आदि 5 लोगों को परिवार रजिस्टर की नकल, 2 ग्रामीणों को मृत्यु प्रमाण पत्र का वितरण शुक्रवार को किया गया। इस दौरान ग्राम प्रधान अमिरुल्लाह उर्फ पप्पू ने कहा कि शासन ने गॉव की सरकार को विकास की कड़ी मानते हुए। ग्राम पंचायत स्तर पर ही कम समय पर अधिक लाभ दिलाने की मंशा से ही पंचायत भवनों को आधुनिकीकरण किया है। सचिव प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि ग्रामीण आबादी ब्लॉक मुख्यालय पर न जाकर अपने गॉव के ही सचिवालय में ही परिवार रजिस्टर का नकल, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए आवेदन फार्म जमा करें। जांच करके उपलब्ध करा दिया जाएगा। किसी भी प्रकार की समस्या स्वयं मिल कर लिखित आवेदन पंचायत भवन में तैनात पंचायत सहायक के पास जमा करे। उसका निस्तारण तत्काल कराया जाएगा। ग्राम रोजगार सेवक राजीव कुमार सावन समेत द्वारिका व इनातुल्लाह आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

ग्रैंड नैरेटिव का एपिसोड

ऐसे एपिसोड अलग-अलग रूपों में लगभग रोजमर्रा के रूप में चलते रहते हैं। ये धारावाहिक कथा इतना शक्तिशाली है कि उसने हिंदु समुदाय के एक बड़े हिस्से को रोजी-रोटी के मुद्दों और रोजमर्रा की अपनी समस्याओं को भूल कर इस कथा में खोने के लिए प्रेरित कर रखा है। इससे देश के सत्ताधारियों को तमाम तरह की लोकतांत्रिक ...

ये सारा प्रकरण देश में चलाए जा रहे बड़े राजनीतिक कथानक का सिर्फ एक एपिसोड भर है। ऐसे एपिसोड अलग-अलग रूपों में लगभग रोजमर्रा के रूप में चलते रहते हैं। ये धारावाहिक कथा इतना शक्तिशाली है कि उसने बड़े हिस्से को रोजी-रोटी के प्रश्नों को भूल कर इस कथा में खोने के लिए प्रेरित कर रखा है। दिल्ली के बुराड़ी में ऐसा आयोजन हुआ, जिसमें मुस्लिम समुदाय के लोगों के खिलाफ नफरत फैलाने वाले उत्तेजक भाषण दिए गए। सबको मालूम है कि यह ऐसा पहला आयोजन नहीं है। इस बार इसमें एक मामला यह जुड़ा कि आयोजन में जुटी भीड़ ने पत्रकारों पर हमला किया। पहचान होने के बाद मुस्लिम पत्रकारों को खास निशाना बनाया गया। दूसरी अलग बात यह रही कि दिल्ली पुलिस ने इस आयोजन की सोशल मीडिया के लिए लगातार खबर देने वाले एक मुस्लिम पत्रकार और एक न्यूज पोर्टल पर ही मुकदमा ठोक दिया है। एफआईआर आयोजन में उत्तेजक भाषण देने वालों पर ही दर्ज हुई है। लेकिन खबर देने वालों को लपेटना आखिर पुलिस की किस नीति को दर्शाता है? सबसे उत्तेजक भाषण यति नरसिंहानंद सरस्वती ने दिया। यह वही नरसिंहानंद हैं, जिन्हें पिछले साल दिसंबर में हरिद्वार में आयोजित तीन दिवसीय धर्म संसद में भड़काऊ बयान देने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल वे जमानत पर हैं। रविवार को दिल्ली की

हिंदू महापंचायत में उन्होंने कहा- अगर कोई मुसलमान भारत का प्रधानमंत्री बनता है तो 20 सालों में 50 फीसदी हिंदुओं का धर्मांतरण हो जाएगा। फिर उन्होंने हिंदुओं का आह्वान किया कि वे अपने अस्तित्व को बचाने के लिए हथियार उठा लें। यह गौरतलब है कि इस महापंचायत के लिए दिल्ली पुलिस ने इजाजत नहीं दी थी। इसके बावजूद ऐसा आयोजन करना अपने-आप में अपराध है। पुलिस के मुताबिक उसने भड़काऊ बयान के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। बहरहाल, ये सारा प्रकरण चाहे जितना आपत्तिजनक हो, इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि यह देश में चलाए जा रहे बड़े राजनीतिक कथानक का सिर्फ एक एपिसोड है। ऐसे एपिसोड अलग-अलग रूपों में लगभग रोजमर्रा के रूप में चलते रहते हैं। ये धारावाहिक कथा इतना शक्तिशाली है कि उसने हिंदु समुदाय के एक बड़े हिस्से को रोजी-रोटी के मुद्दों और रोजमर्रा की अपनी समस्याओं को भूल कर इस कथा में खोने के लिए प्रेरित कर रखा है। इससे देश के सत्ताधारियों को तमाम तरह की लोकतांत्रिक जवाबदेहियों की अनदेखी करने की सुविधा मिली हुई है। इसलिए पुलिस के व्यवहार पर आक्रोश जताना भले जायज हो, लेकिन उससे कुछ हासिल नहीं होगा। असल सवाल है कि क्या इस ग्रैंड नैरेटिव का जवाब विपक्ष या उन लोगों के पास है, जिन्हें इस कथानक से परेशानी होती है?

श्रीलंका में अराजकता

वेद प्रताप वैदिक

भारत के दो पड़ौसी देशों, पाकिस्तान और श्रीलंका में अस्थिरता के बादल छा गए हैं। पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय का फैसला जो भी हो और श्रीलंका की राजपक्ष भाइयों की सरकार रहे या चली जाए, हमारे इन दो पड़ौसी देशों की राजनीति गहरी अस्थिरता के दौर में प्रवेश कर गई है। जहां तक श्रीलंका का प्रश्न है, वहां राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य तीन मंत्री एक ही राजपक्ष परिवार के सदस्य हैं। ऐसी पारिवारिक सरकार शायद दुनिया में अभी तक कभी नहीं बनी है। जब सर्वोच्च पदों पर इतने भाई और भतीजे बैठे हों तो वह सरकार किसी तानाशाह से कम नहीं हो सकती। राजपक्ष-परिवार श्रीलंका का राज-परिवार बन गया। श्रीलंका में आर्थिक संकट इतना भीषण हो गया है कि कल पूरे मंत्रिमंडल ने इस्तीफा दे दिया। सबसे बड़ी बात यह कि जिन चार मंत्रियों को फिर नियुक्त किया गया, उनमें वित्तमंत्री बसील राजपक्ष नहीं हैं। वित्तमंत्री के खिलाफ सारे देश में जबर्दस्त रोष फैला हुआ है, क्योंकि मंहगाई आसमान छूने लगी है। चावल 500 रु. किलो, चीनी 300 रु. किलो और दूध पाउडर 1600 रु. किलो बिक रहा है। बाजार सुनसान हो गए हैं। ग्राहकों के पास पैसे नहीं हैं। रोजमर्रा पेट भरने के लिए हर परिवार को ढाई-तीन हजार रु. चाहिए। लोग भूखे मर रहे हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि अगले दो-तीन दिन में सरे-आम लूट-पाट की खबरें भी श्रीलंका से आने लगें। पेट्रोल, डीजल और गैस का अकाल पड़ गया है, क्योंकि उन्हें खरीदने के लिए सरकार के पास डॉलर नहीं हैं। लोग अपनी जान बचाने के लिए भाग-भागकर भारतीय आ रहे हैं ।श्रीलंका के रिजर्व बैंक के गवर्नर अजीत निवार्ड कबराल ने भी इस्तीफा दे दिया है। श्रीलंका की अर्थव्यवस्था के तीन बड़े आधार हैं। पर्यटन, विदेशों से आनेवाला श्रीलंकाइयों का पैसा और वस्त्र-निर्यात। महामारी के दौरान ये तीनों अधोगति को प्राप्त हो गए। 12 बिलियन डॉलर का विदेशी कर्ज चढ़ गया। उसकी किस्तें चुकाने के लिए सरकार के पास पैसा नहीं है।

चाय के निर्यात की आमदनी घट गई, क्योंकि रासायनिक खाद पर प्रतिबंध के कारण चाय समेत सारी खेती लंगड़ा गई। श्रीलंका को पहली बार चावल का आयात करना पड़ा। 2019 में बनी इस राजपक्ष सरकार ने अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के लालच में तरह-तरह के टैक्स घटा दिए और मुफ्त अनाज बांटना शुरु कर दिया। सारा देश विदेशी कर्जे में डूब गया। गांव-गांव और शहर-शहर में लाखों लोग सड़कों पर उतर आए। घबराई हुई सरकार ने विरोधी दलों से अनुरोध किया कि सब मिलकर संयुक्त सरकार बनाएं लेकिन वे तैयार नहीं हैं। राजपक्ष सरकार ने पहले आपात्काल घोषित किया, संचारतंत्र पर कई पाबंदियां लगाईं और अब उसे कर्फ्यू भी थोपना पड़ा है। भारत सरकार ने श्रीलंका की तरह-तरह से मदद करने की कोशिश की है लेकिन जब तक दुनिया के मालदार देश उसकी मदद के लिए आगे नहीं आएंगे, श्रीलंका अपूर्व अराजकता के दौर में प्रवेश कर जाएगा।

शिवजी की बूटी और मुंतशिर ख्वाब

ये सवाल इसलिए उठा क्योंकि इन दिनों बड़े गीतकार बन गए मनोज मुंतशिर को अब ताजमहल से तकलीफ होने लगी है। उनका इतिहासबोध कहता है कि जब देश में 35 लाख लोग भुखमरी के शिकार थे, तब प्यार के नाम पर ताजमहल खड़ा कर दिया। पता नहीं कौन सी टाइममशीन में बैठकर मुंतशिर महाशय ने गरीबों और भुखमरी के आंकड़े जुटाए। पर इससे कम से कम ये तो उन्होंने साबित कर ...

सर्वमित्रा सुरजन

बूटी के असर से अगर भाषाओं का ज्ञान होने लगे तो सोने पे सुहागा। क्योंकि इससे उन राष्ट्रवादी, सुदर्शन चक्रधारी पत्रकारों को आसानी हो जाएगी, जो कभी भी किसी भी दुकान में घुसकर किसी भी उत्पाद की जानकारी राष्ट्रभाषा में हासिल करना चाहते हैं। ऐसे अभागे, बेचारे, अधकचरे ज्ञान के साथ माइक लेकर घूमने वाले पत्रकार आजकल बहुतायत में पाए जाने लगे हैं। इनसे कोई कहां तक उलझे। मामाजी ने नशामुक्ति अभियान कार्यक्रम में ज्ञान दिया कि नशा नाश की जड़ है, लेकिन भांग तो शिवजी की बूटी है। मतलब भांग पीकर चाहे जितनी हुड़दंग मचाओ, हंगामा काटो, कोई फर्क नहीं। जब शिवजी का प्रसाद है, तो उसे सिर-माथे ही धारण नहीं करना है, उदरस्थ भी करना है। ऐसा अजब ज्ञान, गजब ज्ञानी ही दे सकते हैं। भारत अब तक खुद को विश्वगुरु क्यों समझता रहा, ये अब समझ आ रहा है। शराब का नशा करने वाली दुनिया भले ही भारत को सांपों और संपेरों का देश समझती रही। भारत ने भी ठान लिया कि अब सांपों से आगे निकलने का वक्त आ गया है। पिछले कुछ वक्त से गौ ज्ञान पर जोर था। दुनिया में जब कोरोना की वैक्सीन ढूंढने की माथापच्ची हो रही थी, तब भारत में कुछ लोग गौ मूत्र का सेवन कर बूस्टर डोज जैसी ताकत पा रहे थे। मोर के आंसुओं पर भी रिसर्च हो गई और अब भांग की बारी है। धर्म को जनता की अफीम कहना पाश्चात्य विचार है। इसलिए मामाजी ने ठेठ देसी संस्करण तैयार किया है। अफीम की जगह भांग को रख दिया है। फर्क इतना है कि अफीम अगर धर्म से दूर ले जाती है, तो भांग भगवान के करीब लाती है। मामाजी से इसके औषधीय गुणों पर भी सवाल पूछे जाने चाहिए। जैसे पहला सवाल तो यही होगा कि क्या इस बूटी से महंगाई का ताप कम हो सकता है और हरियाली यानी अच्छे दिन दिखने लगेंगे। गौ माता का प्रसाद यानी दूध तो दिनों-दिन महंगा होता जा रहा है। अब उसकी नदियां भी नहीं बहाई जा सकतीं। तो क्या बूटी की खेती की मंजूरी मिल सकती है। इससे प्रसाद घर-घर तक पहुंचेगा, किसानों की आमदनी बढ़ेगी तो 2022 में आय दोगुनी हो ही जाएगी। एमएसपी की भी झंझट नहीं रहेगी। इसका तो अंतरराष्ट्रीय बाजार भी काफी बड़ा होगा। दूसरा सवाल ये हो सकता है कि क्या बूटी के प्रभाव से हलाल और झटके का अंतर मिट जाएगा। बहुत से लोगों को हलाल और झटके का अंतर समझ नहीं आता, तो उनके लिए उदाहरण भी आ गए हैं कि पेट्रोल-डीजल की कीमतें रोज 80 पैसे कर-कर के 10-12 रुपए तक बढ़ा दी गई है, ये हलाल है और रसोई गैस या दूध के दाम एकदम से बढ़ जाते हैं ये झटका है। दोनों का परिणाम एक जैसा ही होता है, लेकिन पद्धति अलग-अलग है। भारतीय दर्शन और संस्कृति में तो यूं भी एक ही मंजिल तक पहुंचने के अलग-अलग मार्ग बताए गए हैं। उस हिसाब से हलाल और झटका दोनों एक ही मंजिल के अलग-अलग रास्ते हैं। अब इसे सत्ता की मंजिल तक पहुंचने का रास्ता भी बनाया जा रहा है। हिजाब से एक बार मंजिल मिल गई, अब अगले पड़ाव के लिए हलाल का रास्ता तैयार है और उसके बाद बात कहां तक पहुंचेगी, ये पता नहीं और पता करने का कोई फायदा भी नहीं। क्योंकि जब बूटी सिर पर चढ़ी हो, तो किसे होश कि किस राह पर चल रहे हैं। बूटी के औषधीय गुणों के बारे में तीसरा सवाल ये हो सकता है कि क्या इससे इतिहास का ज्ञान सुधर सकता है। ये सवाल इसलिए उठा क्योंकि इन दिनों बड़े गीतकार बन गए मनोज मुंतशिर को अब ताजमहल से तकलीफ होने लगी है। उनका इतिहासबोध कहता है कि जब देश में 35 लाख लोग भुखमरी के शिकार थे, तब प्यार के नाम पर ताजमहल खड़ा कर दिया। पता नहीं कौन सी टाइममशीन में बैठकर मुंतशिर महाशय ने गरीबों और भुखमरी के आंकड़े जुटाए। पर इससे कम से कम ये तो उन्होंने साबित कर दिया कि ताजमहल मुगल बादशाह ने बनवाया है, ये तेजोमहालय नहीं है। खैर मनोज मुंतशिर ने शायद इतिहास में बने स्थापत्य के अन्य नमूनों पर गौर नहीं फरमाया, जिनमें आलीशान किलों से लेकर विशालकाय मंदिर तक सब शामिल हैं। और ये सब भारत में गरीबों के होते हुए भी बने। अब भी 20 हजार करोड़ का सेंट्रलविस्टा और करोड़ों का भव्य राममंदिर बन ही रहा है। 27 मंजिला रिहायशी महल भी मुंबई की धारावी को मुंह चिढ़ा रहा है। मुंतशिरजी का कहना है कि 9 करोड़ का ताजमहल बनवाया, इससे गरीबों की भूख मिट सकती थी। अब वे बूटी का प्रसाद ग्रहण करें और हिसाब लगाएं कि 20 हजार करोड़ सेंट्रल विस्टा या 8 हजार करोड़ विमान पर खर्च न हुए होते तो कितने लोगों के पेट भर जाते। मनोज मुंतशिर से बहुत पहले एक बड़े शायर हुए थे साहिर लुधियानवी जिन्होंने लिखा था - इक शहंशाह ने दौलत का सहारा ले कर, हम गरीबों की मोहब्बत का उड़ाया है मजाक। एक और शायर हुए शकील बदायूंनी, जिन्होंने लिखा- इक शहंशाह ने बनवा के हसीं ताज-महल, सारी दुनिया को मोहब्बत की निशानी दी है। अपने-अपने तरीकों से दोनों ने ताजमहल को देखा और समझा, लेकिन राजनीति किए बिना अपने विचार पाठकों के सामने रखे। मनोजजी जब इतिहास पढ़ ही रहे थे, तो अपने इन पुरखों को भी थोड़ा पढ़ लेते। मगर उन्हें भी शायद दरबार में हाजिरी लगाने की तलब लगी होगी। क्या पता इतिहास की इस व्याख्या के बूते भविष्य में वो सेंसर बोर्ड संभालें या फिर फिल्म इंस्टीट्यूट। आखिर इंडस्ट्री में अब राष्ट्रवादियों का जलवा बना है, तो कायम भी रहना चाहिए। वैसे अयाज आजमी ने फरमाया है- मुंतशिर मुंतशिर हैं ख्वाब बहुत, रौशनी बन गई अजाब बहुत।

इससे भारत के सांस्कृतिक प्रभाव में वृद्धि होगी और आस्ट्रेलिया के लोगों को योग का लाभ प्राप्त करने में मदद मिलेगी। दोनों देश क्रिकेट के प्रति अपने लगाव से भी एकता की भावना प्रदर्शित करते हैं और भारतीय खेलप्रेमी डॉन ब्रैडमैन, स्टीव वॉ, ब्रेट ली और शेन वार्न जैसे आम्स्ट्रेलियाई क्रिकेट के दिग्गजों के प्रशंसक रहे हैं। प्रत्येक टीम चुनौतीपूर्ण क्रिकेट प्रतियोगिताओं में दूसरे को पराजित करने के ...

भारत और ऑस्ट्रेलिया-व्यापार के क्षेत्र में संयुक्त विजेता

पीयूष गोयल

भारत ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (इंडऑस ईसीटीए) के माध्यम से वैश्विक व्यापार परिदृश्य में भारत के प्रभावशाली उदय से जुड़े एक और नए अध्याय की शुरुआत हुई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, अत्यधिक प्रतिस्पर्धी वैश्विक बाजार में देश लगातार नई ऊंचाइयां छू रहा है। पिछले महीने, भारत ने 2021-22 के लिए 400 बिलियन डॉलर के महत्वाकांक्षी निर्यात लक्ष्य को हासिल ही नहीं किया, बल्कि इससे आगे भी बढ़ गया है, क्योंकि छोटे उद्यमों समेत भारतीय निर्यातकों ने अपने मौजूदा परिचालनों में वृद्धि की, नए बाजारों में प्रवेश किया और नए उत्पादों का निर्यात किया। इस प्रकार, भारतीय निर्यातकों ने आर्थिक विकास को गति प्रदान की एवं रोजगार के अवसरों का सृजन किया और वो भी ऐसे समय में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था महामारी के कारण संकट में थी। इससे एक महीने पहले, भारत ने संयुक्त अरब अमीरात के साथ श्व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौताश्य पर हस्ताक्षर किए, जिससे देश के लोगों के लिए नौकरियों के और धन अर्जित करने के नए अवसर पैदा हुए। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एकता का प्रतीक, इंडऑस ईसीटीए एक प्रमुख मील का पत्थर है। यह अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 27.5 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 45-50 बिलियन डॉलर के स्तर पर ले जाएगा, जिससे दोनों देशों को बहुत लाभ होगा। यह एक दशक से अधिक समय के बाद किसी विकसित अर्थव्यवस्था के साथ पहला व्यापार समझौता है, जिसे निर्यातकों, व्यापारियों, छोटे उद्यमों और पेशेवरों के साथ व्यापक परामर्श के बाद अंतिम रूप दिया गया है। व्यापार सौदे और भारतीय निर्यातकों का प्रशंसनीय प्रदर्शन न्यू इंडिया की नई ऊर्जा, समर्पण, दृढ़ संकल्प और सफल होने की अदम्य इच्छा का प्रमाण है। देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, जो भारतीय स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के पहले 75-सप्ताह की समयावधि को रेखांकित करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि कोरोना काल के बाद दुनिया बहुत तेजी से एक नई विश्व व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा, यह एक ऐसा महत्वपूर्ण दौर है, जब भारत को इस अवसर को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी भारत की आवाज बुलंद रहनी चाहिए तथा भारत को नेतृत्व की भूमिका के लिए खुद को योग्य समझना चाहिए। इस संदर्भ में, भारत का पूरा निर्यात व्यवसाय- सामान्य बुनकरों और कामगारों से लेकर दुनिया को मात देने वाले उद्यमियों, इंजीनियरों और सॉफ्टवेयर पेशेवरों तक - भारत को वैश्विक बाजार में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है और दुनिया भारत को एक उभरती हुई महाशक्ति के रूप में देख रही है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक संबंध एक-दूसरे के लिए पूरक हैं। भारत मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया को तैयार उत्पादों का निर्यात करता है और विशेषकर खनिजों, कच्चे माल और मध्यवर्ती वस्तुओं का आयात करता है। भारत को अपने सभी उत्पादों के लिए ऑस्ट्रेलिया में शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी। इससे भारत, प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों, जिनके पास पहले से ही ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार सौदे हैं, के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होगा और प्रतिकूल परिस्थिति से होने वाले नुकसान को कम करने में सफल होगा। भारत को अपने उत्पादों के लिए बाजार पहुंच का फायदा मिलेगा और नियामक प्रक्रियाओं को आसान बनाने से फार्मास्युटिकल उत्पादों के लिए, इस क्षेत्र का आकर्षक 12 बिलियन डॉलर का ऑस्ट्रेलियाई बाजार भी खुल जाएगा। इसी तरह, कपड़ा निर्यात के तीन वर्षों में तीन गुना होकर 1.1 बिलियन डॉलर के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है, जिससे हर साल 40,000 नए रोजगार सृजित होंगे और छोटे शहरों व ग्रामीण क्षेत्रों में नई इकाइयों के शुरू होने की संभावना बढ़ेगी। इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात 2020-21 के 1.2 बिलियन डॉलर से बढ़कर पांच वर्षों में 2.7 बिलियन डॉलर होने की उम्मीद है।

ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात के साथ व्यापार समझौतों से अगले पांच से सात वर्षों में प्रत्येक के सन्दर्भ में 10 लाख नौकरियां के सृजन होने का अनुमान है। वे निवेशकों का उत्साह भी बढ़ाएंगे और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की स्थिति को बढ़ावा देंगे, जिससे समझौते में एक रणनीतिक आयाम जुड़ेगा। भारत पहले ही ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ त्रिपक्षीय आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल (एससीआरआई) व्यवस्था में शामिल हो चुका है। यह समझौता भारतीय कंपनियों के लिए कच्चे माल, खनिज और मध्यवर्ती वस्तुओं की लागत को कम करता है, जिससे उपभोक्ताओं को मदद मिलेगी और निर्यात में वृद्धि होगी। सरकार ने किसानों का ध्यान रखा है और कई क्षेत्रों को समझौते के दायरे से बाहर रखा है। इनमें डेयरी उत्पाद, काबुली चना, अखरोट, पिस्ता, गेहूं, चावल, बाजरा, सेब, सूरजमुखी-बीज का तेल, चीनी, खली, सोना, चांदी, प्लेटिनम, आभूषण, लौह अयस्क और अधिकांश चिकित्सा उपकरण शामिल हैं। छात्रों को भी बहुत लाभ मिलेगा। वे अध्ययन के बाद चार साल तक के लिए वीजा प्राप्त कर पायेंगे, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नौकरी का अनुभव देगा और ऑस्ट्रेलिया को युवा पेशेवरों के प्रतिभाशाली, मेहनती समुदाय का लाभ देगा, जिन्होंने विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई है और प्रमुख पश्चिमी कंपनियां के शीर्ष पदों को संभाल रहे हैं। इसके अलावा, भारतीयों को एक उदार वीजा व्यवस्था मिलेगी, जो कॉर्पोरेट के दायरे में स्थानांतरित होने वाले कर्मियों, अधिकारियों और संविदा सेवा प्रदाताओं को चार साल तक अस्थायी प्रवास की अनुमति देगा। परिवार के सदस्यों के लिए प्रवेश, निवास करने और काम के अधिकारों के लिए भी प्रतिबद्धताएं शामिल की गयीं हैं। भारतीय शेफ और योग शिक्षक भी वीजा व्यवस्था में रियायतों के साथ ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहचान बनाने में सक्षम होंगे, जो उन्हें चार साल तक रहने की अनुमति देगा, यदि वे पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं।

निरीक्षण में बंद मिले 15 आंगनबाड़ी केंद्र

देवरिया। शासन के निर्देश पर विभिन्न विभागों के 10 अधिकारियों की टीम ने जिले के 85 आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान 15 आंगनबाड़ी केंद्र पूरी तरह से बंद पाए गए। गायब आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सेवा समाप्ति के लिए नोटिस दी गई है। जिला कार्यक्रम अधिकारी कृष्ण कांत राय सलेमपुर विकास खंड के कोला महुई पांडेय पहुंचे, जहां आंगनबाड़ी केंद्र पाया गया। देवरिया उर्फ शामपुर के दोनों केंद्र, सिसवा पांडेय, बरइठा, बनकटा दीक्षित, भरौली, मड़पही, तालडीहा, बहोरवा, पदमापार, गोपालपुर, डेहरी, बड़हरा समेत 15 केंद्र बंद मिले। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शीला तिवारी शामपुर, राजकुमार देवी देवरिया उर्फ शामपुर, मुन्नी देवी सिसवा पांडेय, शोभा पांडेय बरइठा, गायत्री देवी बनकटा दीक्षित, प्रीति मिश्रा, सुनीता देवी, भरौली की लक्ष्मी मिश्रा, मड़पही की किरन आर्या, तलडीहा की लीलावती देवी, बहोरवा की निर्मला मिश्रा, पदमापार की सीमा देवी, गोपालपुर की सरिता देवी, डेहरी की आरती देवी, बड़हरा की शैल कुमारी को नोटिस जारी किया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी व अपर संख्याधिकारी अवधेश कुमार सिंह ने पड़री केंद्र का निरीक्षण किया। यहां एक ही कक्ष में तीन कार्यकर्ता बैठ कर बातचीत करते हुए पाई गईं। प्राथमिक विद्यालय परिसर में विभागीय आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन होते नहीं पाया गया। सुशीला देवी, ऊषा देवी, लक्ष्मीना, अमृता देवी व मालती का वेतन बाधित करने का निर्देश दिया गया है। इसी तरह मंगराइच की कार्यकर्ता मंजू रानी का कार्य भी बेहतर नहीं पाया गया।

हर बूथों पर पैरा मिलिट्री फोर्स की रहेगी तैनाती

देवरिया। पुलिस लाइन के प्रेक्षागृह में देवरिया–कुशीनगर स्थानीय निकाय प्राधिकारी निर्वाचन को लेकर अधिकारियों की बैठक हुई। जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने कहा कि हर बूथ पर पैरा मिलिट्री फोर्स की तैनाती रहेगी। किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को बूथों के अंदर जाने की अनुमति नहीं होगी। कागज, पेन, तरल पदार्थ कोई भी लेकर अंदर नहीं जाएगा। कहा कि मतदान अभिकर्ता नियुक्ति कर उन्हें पास निर्गत किए जाएंगे, सभी बूथों की वीडियोग्राफी भी की जाएगी। पीठासीन अधिकारी किसी को भी साथी के रूप में अनुमन्य नहीं कर सकते हैं। आधार या मतदाता कार्ड लेकर आना होगा। कहा कि निरक्षर 117 मतदाताओं ने साथी के लिए आवेदन किया है। उन सभी को मतदान की अनुमति दे दी गई है, जबकि दृष्टिबाधित किसी भी मतदाता ने कोई आवेदन नहीं किया है। देवरिया में 17 व कुशीनगर 15 बूथ बनाए गए हैं। दोनों जिलों में मतदान के बाद मतपेटिकाएं देवरिया में बनाए गए स्ट्रांग रूम में ही जमा की जाएंगी। मतदान सुबह आठ बजे से अपराह्न चार बजे तक होगा। मत के प्रयोग के लिए बैगनी रंग का स्कैच पेन ही केवल अनुमन्य होगा, जो पीठासीन अधिकारी के पास मौजूद रहेगा। पुलिस अधीक्षक डा.श्रीपति मिश्र ने कहा कि मतदान प्रक्रिया को सुचारु व शांतिपूर्ण कराने के लिए सुरक्षा का इंतजाम किया गया है। मतदान के दौरान गड़बड़ी करने वालों से सख्ती से पुलिस निपटेगी। कहा कि कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति मतदान स्थल के अन्दर प्रवेश नहीं कर सकेगा। अपर जिलाधिकारी प्रशासन कुंवर पंकज, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सोनकर, एसएसबी के कमांडेंट सतीश, सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सरयू नदी पर बने पीपा पुल के एप्रोच मार्ग का एडीएम ने किया निरीक्षण

देवरिया। सरयू नदी के पार देवार क्षेत्र में बड़े क्षेत्रफल में गेहूं फसल की बोआई हुई है। इस पार के किसान गेहूं की फसलों को काटकर ट्राली ट्रैक्टर से लेकर आते हैं। उनके सुगम आवागमन के लिए पीपा पुल पर आवागमन के संसाधनों का निरीक्षण वित्त एवं राजस्व अधिकारी नागेंद्र सिंह ने किया। एडीएम ने एप्रोच मार्ग पर एक तरफ ही लगाए गए लोहे की प्लेट को दोनों तरफ लगाए जाने का निर्देश दिया। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों द्वारा चकर प्लेट उपलब्ध नहीं होने की जानकारी देने पर उन्होंने सेतु निगम के परियोजना प्रबंधक एसपी सिंह से बात की और प्लेट उपलब्ध कराए जाने का निर्देश दिया। एडीएम वित्त एवं राजस्व सरयू नदी पर बने पीपा पुल के एप्रोच मार्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पीडब्ल्यूडी द्वारा मजदूर लगाकर एप्रोच मार्ग दुरुस्त किया जा रहा था। पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता कमल किशोर ने बताया कि नदी का पाट चौड़ा होने के कारण चकर प्लेट कम पड़ गया है। जिसके कारण एक तरफ ही एप्रोच मार्ग पर लोहे की चादर बिछाई गई है। दूसरी तरफ पंप लगाकर पानी गिराया जाता है। जिससे कि बालू में नमी होने से आवागमन सुगम होता है। मौके से ही एडीएम वित्त एवं राजस्व ने सेतु निगम के परियोजना प्रबंधक से बात की और उनसे एप्रोच मार्ग के लिए लोहे की चादर उपलब्ध कराए जाने के लिए कहा। जिसे बाद में पीडब्ल्यूडी वापस कर देगा। किसानों का आवागमन सुगम करने के लिए तत्काल एप्रोच मार्ग दुरुस्त किए जाने का निर्देश दिया। नायब तहसीलदार जितेंद्र कुमार सिंह, सहायक अभियंता अखिलेश राम, राम प्रवेश यादव मौजूद रहे।

शिव–सती प्रसंग का वर्णन सुन भाव–विभोर हुए श्रद्धालु

भिटौली। सदर तहसील क्षेत्र के शिकारपुर में चौत्र नवरात्र के अवसर पर कोटही माता मंदिर परिसर में आयोजित शतचंडी महायज्ञ में प्रवचनकर्ता आचार्य मुकेश पांडेय ने शिव–सती प्रसंग का वर्णन किया। जिसे सुन श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। उन्होंने बताया कि शिव के मना करने के बाद भी सती ने भगवान राम की परीक्षा लेने जाती हैं, लेकिन भगवान न तो परीक्षा और न ही समीक्षा से मिलते है, उनका दर्शन तो प्रतीक्षा से होता है। उन्होंने कहा कि जीवन में शांति के लिए भगवान को आगे रखें और खुद को पीछे रखें। उनका स्मरण करते रहें। उन्होंने कहा कि जीवन में चरित्र सुंदर है, तो चित्र खुद सुंदर बन जाता है। इस अवसर सत्यम चौबे, नवयुवक मंगल दल के अध्यक्ष राजेश साहनी, रामदयाल, रिकू गौंड़, रामू सहानी, जालंधर, नरसिंह यादव, लवकुश गोस्वामी, सन्नी गौड़, गोपाल वर्मा, मनीष गौड़, गोविद गौड़ आदि मौजूद रहे।

राजस्व कर्मियों ने हटवाया अतिक्रमण

भिटौली। सदर तहसील के भिटौली गांव के हथियागढ़ टोला में पहल कार्यक्रम के दूसरे दिन तहसीलदार देशदीपक पांडेय के नेतृत्व में बुलडोजर के साथ पहुंची राजस्व टीम ने गांव के पोखरा की भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटवाया। प्रशासन की इस कारवाई से अतिक्रमणकारियों में खलबली मच गई। नायब तहसीलदार नवीनिश्चल त्रिपाठी,कानूनगों ओम प्रकाश मिश्रा,ग्राम प्रधान स्वामीनाथ गुप्ता आदि मौजूद रहें।

बाउंड्री निर्माण कार्य रोकने का आदेश

फुलमनहा। बृजमनगंज विकास खंड के ग्राम पंचायत गुजरौलिया में पंचायत भवन का बाउंड्री निर्माण कार्य कराया जा रहा है। ग्रामीणों ने बाउंड्री निर्माण खलिहान की भूमि व गांव के रास्ते मे मनमाने तरीके से कराए जाने की एसडीएम से शिकायत की। इस पर नायब तहसीलदार रवि यादव ने निरीक्षण किया और ग्राम प्रधान व सचिव को कार्य रोकने का आदेश दिया।

राज्यमंत्री के निरीक्षण में डाक्टर व कर्मचारी गायब

देवरिया। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के क्रम में मरीजों के बीच फल वितरण का कार्यक्रम महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज से संबद्ध जिला अस्पताल व महिला अस्पताल में आयोजित था। महिला अस्पताल में 9.30 बजे कार्यक्रम था। राज्यमंत्री विजय लक्ष्मी गौतम भाजपा नेताओं के साथ 10 .30 बजे महिला अस्पताल के वार्ड में पहुंचीं। अस्पताल में सीएमएस, डाक्टर व कर्मचारी अनुपस्थित रहे। उन्होंने सीएमओ को फोन किया तो वह कुछ ही देर में अस्पताल पहुंच गए। इसके बाद सीएमओ डा. आलोक पांडेय ने महिला अस्पताल की सीएमएस डा. अल्पनारानी को फोन किया। उसके बाद महिला अस्पताल की सीएमएस पहुंचीं। राज्यमंत्री गौतम ने उपस्थिति पंजिका मंगाया तो सभी डाक्टर व कर्मचारियों की हाजिरी बनी हुई थी, लेकिन मौके पर एक भी डाक्टर व कर्मचारी मौजूद नहीं थे। बताया गया कि डाक्टर राउंड ले रही हैं। राज्यमंत्री ने बुलाने को कहा तो मात्र तीन डाक्टर व कर्मचारी पहुंच सके। उन्होंने सीएमओ व सीएमएस से कहा कि यह ठीक नहीं है। सरकार की मंशा है अस्पताल में भर्ती मरीज को बेहतर इलाज मिले। मैं दोबारा औचक निरीक्षण करने आऊंगी। अगर लापरवाही मिली तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सांसद ने स्टाफ नर्स को एक्सपायर दवा फेंकते पकड़ाः भाजपा के स्थापना दिवस के मनाने के क्रम में सदर सांसद डा. रमापति राम त्रिपाठी भाजपा नेताओं के साथ महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज से संबद्ध जिला अस्पताल के वार्ड में मरीजों को फल वितरित करने पहुंचे थे। एक स्टाफ नर्स दवा तोड़ कर कूड़ेदान में डाल रही थी। इस पर एक भाजपा नेता की नजर पड़ी और उन्होंने इसकी जानकारी सदर सांसद को दी। सदर सांसद ने स्टाफ नर्स से पूछा तो उन्होंने बताया कि दवा एक्सपायर हो गई थी। इसलिए उसे नष्ट कर रही थी। उन्होंने सीएमओ डा. आलोक पांडेय व मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य डा. राजेश कुमार बरनवाल से कहा कि आखिर एक्सपायर दवा वार्ड के दवा वितरण कक्ष तक कैसे पहुंची, इसके लिए जिम्मेदार व दोषी कौन है। इस गंभीर मामले की जांच कर तीन दिन में रिपोर्ट मांगी। उनके जाने के बाद मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य ने सीएमएस कक्ष में डाक्टरों व कर्मचारियों के साथ बैठक कर चेतावनी दी। प्रधानाचार्य डा. बरनवाल ने बताया कि जिला अस्पताल में एक्सपायर दवा पहुंचने के मामले की जांच का निर्देश सीएमएस दिया गया है। तीन दिन के भीतर रिपोर्ट मांगी गई है।

जांच में मिली अनियमितता, डीएम ने सीएमओ के खिलाफ शासन को भेजी रिपोर्ट

देवरिया। सीएमओ के रैपिड टेस्ट किट, एचबीएसएजी किट की खरीद में अनियमितता करने की शिकायत की जांच रिपोर्ट कमेटी ने डीएम को सौंपा। इसे डीएम ने शासन में भेज दिया है। जांच रिपोर्ट में शिकायतकर्ता राजेश सिंह द्वारा की गई शिकायत को सही पाया गया है। दो माह पूर्व राजेश सिंह नामक व्यक्ति ने विधायक जय प्रकाश निषाद से सीएमओ डा. आलोक पांडेय के खिलाफ शिकायत की। पूर्व मंत्री की शिकायत पर स्वास्थ्य मंत्री ने इसकी जांच के आदेश दिए। शिकायती पत्र में कहा गया है कि जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत डायग्नोस्टिक किट व रैपिड टेस्ट किट व एचबीएसएजी किट अधिक मूल्य पर खरीदा है। डीएम के निर्देश पर तीन सदस्यीय कमेटी वरिष्ठ कोषाधिकारी कुलदीप सरोज, डीएसओ विनय सिंह, एडीएम वित्त एवं राजस्व नागेन्द्र सिंह ने जांच किया और अपनी रिपोर्ट डीएम को सौंप दी। जांच के दौरान शिकायत के सही पाए जाने की पुष्टि करते हुए जांच टीम ने डीएम को रिपोर्ट दी है। डीएम ने इसे शासन को भेज दिया है। डीएम आशुतोष निरंजन ने बताया कि जांच रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है।

डीएम ने दिया बीडीओ व एपीओ को नोटिसः बैतालपुर विकास खंड कार्यालय का जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने औचक निरीक्षण के दौरान विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान संतोषजनक जवाब न देने पर खंड विकास अधिकारी व एपीओ को नोटिस जारी किया है। जिलाधिकारी ब्लाक पहुंचे और सबसे पहले खंड विकास अधिकारी अवनींद्र पांडेय से कर्मचारियों की उपस्थिति पंजिका मांगी, जिसमें कई खामियां पाई गईं। इस पर उन्होंने कर्मचारियों के आने का समय भी दर्ज करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान पाया गया कि 91 ग्राम पंचायतों में से मात्र 67 में ही कार्य चल रहा है। 48 में आवास निर्माण का कार्य तथा 22 में चकरोड एवं नाली निर्माण समेत अन्य कार्य हो रहे हैं। शेष ग्राम पंचायतों में प्रस्ताव तैयार न होने की बात सामने आई, जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जाहिर की। एडीओ पंचायत से संचारी रोग के संबंध में जानकारी प्राप्त की। एडीओ ने बताया कि चयनित ग्रामों में एंटी लार्वा का छिड़काव किया जा रहा है। एपीओ कृष्ण पाल सिंह से टीए और बीटीए के संबंध में पूछताछ की। संतोषजनक उत्तर न मिलने पर एपीओ को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। जिला विकास अधिकारी श्रवण कुमार राय, एडीओ सौरभ द्विवेदी मौजूद रहे।

वंचितों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है भाजपा : पंकज चौधरी

महराजगंज। भाजपा सामाजिक समरसता सप्ताह के तहत केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जिला अस्पताल में रोगियों में फल वितरित किया। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने कहा कि भाजपा एक ऐसी पार्टी है, जो सबका साथ सबका विकास कर रही है। समाज से वंचित वर्गों के उत्थान के लिए भाजपा प्रतिबद्ध है। भाजपा में बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग का विकास हो रहा है। भाजपा की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। प्रधानमंत्री नरें मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत विश्व में तरक्की की ओर अग्रसर है। सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया ने कहा कि हमारी सरकार ने गरीबों को आवास, शौचालय, बिजली, स्वास्थ्य की चिता की तो किसानों को सम्मान से जीवन यापन करने के लिए किसान सम्मान निधि योजना शुरू की थी। राष्ट्र कभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर याचक बना रहता था, लेकिन आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मजबूत भारत ,सशक्त भारत के रूप में स्थापित हो रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष परदेसी रविदास ने कहा कि आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका लाभ देश के गरीबों को मिल रहा है। मोदी ने देश की साख बढ़ाई है, तो योगी ने यूपी से अपराध हटाया है। दुनिया यूपी का नाम राममंदिर के लिए लेती है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष अरुण शुक्ला, नगर पालिका अध्यक्ष कृष्ण गोपाल जायसवाल, जिला मंत्री आशुतोष शुक्ला, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र चौहान, पूर्व जिला उपाध्यक्ष सनंदन पटेल, सभासद प्रदीप गौड़, लालजी गुप्ता, रमेश मोदनवाल, सीएमएस डा. भास्कर, डा. बीपी मिश्र, अरविद मौर्य, सूर्यनाथ शर्मा, नीरज मिश्रा, जगदीश मिश्रा, सुनील मिश्रा, राजू विश्वकर्मा, संदीप पटेल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मतदेय स्थलों का डीएम ने किया निरीक्षण,सीसी कैमरा लगाने का निर्देश

देवरिया। जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने एमएलसी चुनाव को लेकर मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्रों पर बैरिकेडिग, कोविड हेल्प डेस्क व सीसी कैमरा लगाने का निर्देश दिया। सुबह जिलाधिकारी बैतालपुर ब्लाक मुख्यालय पर पहुंचे और मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। पोलिग एजेंट व उनके बैठने की व्यवस्था को लेकर भी निर्देश दिया। कहा कि विधान परिषद का मतदान विधानसभा के निर्वाचन से भिन्न होता है, ऐसे में मतदान प्रक्रिया जानकारी देने वाले पंपलेट व बैलेट का नमूना मतदाताओं के अवलोकनार्थ मतदान केंद्र पर चस्पा कर दिया जाए। मतदान केंद्र के 100 मीटर की परिधि में मतदान से जुड़े कार्मिकों को छोड़कर किसी भी अन्य व्यक्ति को मोबाइल फोन लाने की अनुमति नहीं होगी। मतदान कर्मी भी मतदान कक्ष में अपना मोबाइल फोन स्विच आफ रखेंगे और अतिआवश्यक होने पर वह मतदेय स्थल से बाहर आकर मोबाइल से वार्ता कर सकते हैं। सहायक निर्वाचन अधिकारी मंजूर अहमद, खंड विकास अधिकारी अवनींद्र पांडेय, एडीओ सौरभ द्विवेदी मौजूद रहे। उधर जिलाधिकारी ने जिला पंचायत में बने मतदान केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर के निकट बैरिकेडिग करने का निर्देश दिया। प्रवेश द्वार पर सीसी कैमरा लगाने की भी बात कही। अपर मुख्य अधिकारी ज्ञानधन सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। मतदान के समय देना होगा पहचान के लिए दस्तावेज एडीएम प्रशासन कुंवर पंकज ने बताया कि नौ अप्रैल को सुबह से मतदान होगा। मतदाता पीठासीन अधिकारी के सामने अपनी पहचान के लिए मतदाता पहचान पत्र या कोई अन्य पहचान दस्तावेज, जिसमें मतदाता की तस्वीर हो या स्थानीय प्राधिकारी द्वारा जारी पहचान पत्र को दिखाना होगा। इसके बाद ही उन्हें मतदान की अनुमति होगी।

नियमित कराएं गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच

महराजगंज। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर वनग्राम चेतरा में शहमारा ग्रह और स्वास्थ्यश विषय पर स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में डीएम सत्येन्द्र कुमार की अध्यक्षता में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच नियमित कराएं। डीएम ने कहा कि स्वास्थ्य को लेकर काफी सावधानी बरतनी चाहिए। इसकी उपेक्षा कत्तई नहीं करनी चाहिए। उन्होंने एएनएम को हफ्ते में एक दिन एंबुलेंस के साथ आकर नियमित रूप से गांव में गर्भवती महिलाओं व अन्य लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण का निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि आवश्यक होने पर गंभीर रोगी को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाना सुनिश्चित करें। प्रधान व आशा गर्भवती महिलाओं के खून की जांच को नियमित रूप से कराएं। उन्होंने गांव में कोविड सहित अन्य टीकाकरण को नियमित रूप से कराने का निर्देश दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने आवास का मुद्दा उठाया। जिस पर उन्होंने लाभार्थियों की सूची को सत्यापित कर आवास के लिए आवेदन कराने को ग्राम सेक्रेटरी को निर्देशित किया। वनग्राम में बिजली की समस्या पर डीएम ने आश्वस्त किया कि शीघ्र ही इसका निराकरण कर दिया जाएगा। बरसात में संपर्क मार्ग बाधित होने की समस्या पर डीएम ने सेक्रेटरी व ग्राम प्रधान को वन विभाग से समन्वय करते हुए मनरेगा के माध्यम से खड़ंजे की मरम्मत का निर्देश दिया। डीएम ने ग्रामीणों को कृषि योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिए कानूनगो व लेखपाल को खतौनी के आनलाइन पंजीकरण को शुरू करने का निर्देश दिया। गांव में स्वच्छ पानी के लिए पानी की टंकी और हर घर मे कनेक्शन अतिशीघ्र उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. एके श्रीवास्तव ने संगोष्ठी के उद्देश्य की चर्चा करते हुए ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य के संदर्भ में जागरूक रहने पर जोर दिया। उन्होंने ग्रामीणों को एएनएम, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के नियमित संपर्क में रहने का सुझाव दिया। इस दौरान सीएचसी अधीक्षक केपी सिंह, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी श्रीभागवत सिंह सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

जिले में आए 4247 आवेदनों में से 1564 का हुआ निस्तारण

महराजगंज। पहल कार्यक्रम के तहत जिले के 12 गांवों में चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 4247 आवेदन आए, जिसमें 1564 का निस्तारण किया गया। इस दौरान सर्वाधिक आवेदन शौचालय और आवास की मांग को लेकर रहे। शिवपुर, हथियागढ़वा, भिटौली, शिवपुर धरौली, बागापार, दरहटा, हरदीडाली, बंदीविशुनपुर, रतनपुरवा, बासपार कोठी, सेमरहनी, पोखरभिडा में चौपाल बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी रही। शिविर में अधिकारियों ने ग्रामीणों से आवेदन प्राप्त किए। मौके पर 1564 का निस्तारण किया गया। पनियरा संवाददाता के अनुसार ग्राम पंचायत रतनपुरवा में महराजगंज पहल कार्यक्रम के तहत लोगों की समस्याओं का निस्तारण के लिए समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला कल्याण,कृषि विभाग, कृषि रक्षा ईकाई, आपूर्ति विभाग, राजस्व विभाग आदि मौजूद रहे।

इस दौरान काफी भीड़ मौजूद रही है। अरूण कुमार ठाकुर ग्राम विकास अधिकारी, प्रमोद कुमार सोनी ग्राम विकास अधिकारी, अख्तर हुसैन, सनी पासवान,शीला यादव, वासुदेव,अनील मौर्य, अखिलेश कुमार शाही, ग्राम प्रधान इंद्रा देवी, राजेश जायसवाल रोजगार सेवक, चंद्र प्रकाश त्रिपाठी, मोहम्मद उमर खान, सुधाकर सिंह,रामबचन राजस्व विभाग, रेखा पंचायत सहायक, राहुल यादव आदि उपस्थित रहे। नोडल अधिकारी जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी शांत प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि आयुष्मान कार्ड के 238 आवेदन में से 200, राजस्व वाद के 101 में से 34, पेंशन के 260 में से 98, राशन कार्ड के 343 में से 93, मनरेगा जाबकार्ड के 62 में से 24, शौचालय के 833 में से 257, आवास के 1893 में से 413, पीएम किसान सम्मान निधि के 261 में से 188, परिवार रजिस्टर के 258 में से 247 आवेदन का निस्तारण किया गया।

संदिग्धों के प्रवेश को लेकर पहले भी चर्चा में रही है सोनौली सीमा

सोनौली । नौतनवा में रात खुद को रा एजेंट बताने वाले दो संदिग्धों के पकड़े जाने के बाद भारत–नेपाल की अंतरराष्ट्रीय सीमा सोनौली एक बार फिर चर्चा में है। यह कोई पहली बार नहीं है। इसके पूर्व भी सोनौली सीमा पर न सिर्फ कई संदिग्ध पकड़े जा चुके हैं, बल्कि याकूब मेनन जैसे आतंकवादी की गिरफ्तारी भी यहीं से हुई थी। गोरखनाथ मंदिर में पिछले दिनों पुलिसकर्मियों पर हुए हमले के प्रयास मामले के बाद सोनौली सीमा पर सुरक्षा एजेंसिया सतर्क हो गई है। इधर नौतनवा के मैरिज हाल में .रात को थानेदार राजेश कुमार पांडेय की टीम द्वारा छापेमारी कर दो संदिग्धों को हिरासत में लिए जाने से हड़कंप मचा हुआ है। दोनों संदिग्धों से कई एजेंसियां पूछताछ में जुटी हुई हैं। खुली सीमा के चलते आसानी से मिल जाता है प्रवेशः भारत नेपाल के बीच 1751 किलोमीटर की खुली सीमा के चलते कोई भी बड़े ही आसानी से प्रवेश कर जाता हैं। महराजगंज जिले से 86 किमी. यह सीमा छूती है। सीमा की निगरानी के लिए यहां एसएसबी के 18 बीओपी चेकपोस्ट भी बनाए गए हैं। बावजूद इसके आरोपित बड़े ही आसानी से सीमा पार कर जाते हैं। सोनौली सीमा व नेपाल से पकड़े गए आतंकी–: सोनौली सीमा व सीमा से सटे नेपाल में अब तक 12 से अधिक आतंकी पकड़े जा चुके हैं। लियाकत अली, पुखरायां रेल हादसे का मास्टर माइंड शमशुल होदा, आतंकी याकूब मेमन, बिलाल अहमद बट, नूर बक्श, मुजतबा, दाऊद राथर, असरफ ठाकुर, मुस्तफा हुसैन, गुलाम मयुद्दीन, वसीर अहमद, अब्दुल रशीद, बसीर, शब्बीर अहमद, इस्माइल, खालिद मीर, सईद ज खूंखार आतंकी पकड़े जा चुके हैं।

व्यक्ति के जीवन में नियम का होना जरूरी

महराजगंज। नवरात्र के अवसर पर जिले में जगह–जगह रामकथा व प्रवचन से गांव व शहर भक्तिमय बना हुआ है। फरेंदा दुर्गा मंदिर परिसर मे राम कथा के पांचवें दिन अयोध्या धाम के कथा वाचक मानस शरण ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में नियम का होना अति आवश्यक है। जिनके जीवन का कोई नियम नहीं होता वह जीवन भर भटकता रहता है। राम विवाह के प्रसंग को सुनाते हुए उन्होंने बताया कि माता सीता भक्ति और शक्ति का रूप है। यजमान कैलाश नारायण जायसवाल, संकीर्तन मंडली के सदस्य डा. अनिरुद्ध प्रताप पांडेय, कृष्ण मोहन पाठक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

श्यामदेउरवा संवाददाता के अनुसार श्यामदेउरवा धाम में हो रहे विष्णु महायज्ञ के छठे दिन अनिल शास्त्री ने कथा का रसपान कराते हुए कबीर, सूरदास, तुलसीदास, प्रह्लाद के प्रसंगों को मार्मिक ढंग से सुनाया। लक्ष्मीपुर संवाददाता के अनुसार राजधानी गांव में श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कामेश्वर त्रिपाठी ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का प्रसंग व उनके जन्म लेने के गूढ़ रहस्यों को सुनाया। कथा प्रसंग सुनाते हुए कथा व्यास ने बताया कि जब अत्याचारी कंस के पापों से धरती डोलने लगी तो भगवान कृष्ण को अवतरित होना पड़ा। कथा का संगीतमयी वर्णन सुन श्रद्धालुगण झूमने लगे। इस दौरान राजेन्द्र पाण्डेय,आशुतोष शुक्ल, बंदना शुक्ल अभिषेक शुक्ल, कनक शुक्ला, आशीष शुक्ल, जुही शुक्ला, शशि शेखर शुक्ल समेत अन्य लोगों ने कथा का रसपान किया।

गोला में शार्ट सर्किट से लगी आग

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। गोला उपनगर में एस मार्ट के सामने स्थित किराना व इलेक्ट्रॉनिक की तीन दुकानों में शुक्रवार की तडके सुबह लगभग तीन बजे शार्कसर्किट से अचानक आग लग गया और आग की लपटें आवास को भी अपनी जद में ले कर कहर बरपा दिया ।परिवार के लोगो जगे किसी तरह भाग कर सड़क पर आए ।लेकिन घर के अंदर सोया बालक रुद्राक्ष पुत्र कमलेश सोया ही रह गया। आग ने उसकी जीवन लीला का समाप्त करने के साथ साथ दुकानों में रखा करोड़ो के सामान को नष्ट किया साथ ही आवास में घर गृहस्ती के सामान भी नही बचे। घर वालो के शरीर के ऊपर उनका पहना हुआ कपड़ा मात्र दिखाई दे रहा है। आग की कहर देख गोला पुलिस नगर वासी व फायर बिग्रेड की दो गाड़िया पहुची। काफी प्रयास के बाद आग पर काबू मिला। लेकिन होनहार लाल के साथ कुछ भी हाथ नही रहा। घटना ने सभी को मर्माहत कर दिया। प्राप्त बिबरण के अनुसार गोला

व्यापारीयो के तरफ से शोक में दुकाने बन्द कर दी गयी। उपनगर निवासी हीरालाल कसौधन के तीन पुत्र रहे। आवास के सामने ही कमलेश व संजय किराना व

● दो फायर ब्रिगेड की गाड़ी के अथक प्रयास पर मिला आग पर काबू
● 9 बर्ष का लड़का रुद्राक्ष की जलने से घटना स्थल पर हुई मौत

एलेक्ट्रॉनिक की दुकान चलाते थे। वही स्व रमेश के पुत्र आकाश की भी ईलेक्ट्रॉनिक की दुकान थी। दुकान के पीछे तीनो लोगो का आवास था। गुरुवार को तीनों लोग शाम को अपनी दुकान बंद कर सोये थे कि शुक्रवार की तड़के सुबह लगभग तीन बज्र अचानक धुँवा उठना शुरू हुआ। जब तक लोग जगे की आग बिकराल रूप पकड़ लिया। परिजन किसी तरह भाग के घर से बाहर निकले। लेकिन कमलेश का 9 बर्षीय लाल रुद्राक्ष बाहर नही निकल पाया और काल रूपी आग ने उसको अपनी आगोश में लेकर बुरी तरह जला दिया। घटना स्थल पर ही उसकी मृत्यु हो गयी। आग की घटना पर गोला पुलिस कस्बे के लोग दौड़े। फायर ब्रिगेड भी पहुचा। दो घण्टे के अथक प्रयास के बाद आग पर किसी तरह काबू मिला। लेकिन रुद्राक्ष सहित सारा सामान कुछ भी हाथ नही रहा। परिवार के लोग सड़क पर आ गए। कस्बे के ब्यापरियो में इस हृदय विदारक घटना से शोक की लहर दौड़ पड़ी। अधिकांश ब्यापरियो ने अपनी दुकानें बंद रखी। इस प्रकरण पर जब एस डी एम गोला रोहित कुमार मौर्य से बात किया गया तो उन्होंने बताया कि हृदय विदारक घटना है। इसकी सूचना मिलते ही तहसीलदार गोला सुनीता गुप्ता घटना स्थल पर पहुची थी। रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजा जा रहा है। शासन के तरफ मिलने वाला अहेतुक सहायता पीड़ित पक्ष को उपलब्ध कराया जायेगा।

7 दिनों से खराब नेट की समस्या से जूझ रहे खाताधारक जिम्मेदार मौन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बृजमनगंज/महराजगंज। नगर पंचायत बृजमनगंज में स्थिति डाकघर में 7 दिनों से नेट खराबी के कारण कार्य बाधित चल रहा है। जिससे खाताधारकों को करना पड़ रहा है परेशानियों का सामना। बृजमनगंज कस्बे के डाकघर में आज 7 दिनों से कार्य बाधित चल रहा है किसी प्रकार का लेनदेन जमा निकासी नहीं हो रहा है आधार कार्ड को छोड़कर सभी काम बंद चल रहे हैं। उप डाकघर बृजमनगंज के खाताधारक बहुत परेशान और आक्रोशित दिखाई दे रहे हैं पैसा ना मिलने से कितने लोगों को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या के बारे में पोस्ट ऑफिस के संबंधित अधिकारियों से बातचीत करने पर इधर उधर की बातें कर पल्ला झाड़ते नजर आ रहे हैं इस समस्या को लेकर जब मीडिया के द्वारा वहां के मैनेजर मनोज विश्वकर्मा से इसके बारे में पूछताछ किया गया तो उन्होंने बताया कि 1 तारीख से नेट खराब चल रहा है। इसकी सूचना हम ने संबंधित उच्चाधिकारियों को दे दी है और डिवीजन ग्रुप और कंसलटेंट टीम को व्हाट्सएप के माध्यम से समस्या से अवगत कराया गया है। कब तक

इस समस्या से निदान मिलेगा इसका उत्तर उनके पास भी नहीं है। इस समस्या को लेकर पोस्ट ऑफिस के इंस्पेक्टर रामदयाल यादव से हुई टेलिफोनिक वार्ता में उन्होंने बताया कि इसमें हम कुछ नहीं कर सकते हैं ये टेलीकॉम कंपनियों की अपनी व्यवस्था है उनका ना ही मोबाइल नंबर है और ना ही संपर्क साधन इसमें टेलीकॉम कंपनी द्वारा लगाए गए सर्वर के साइड पर जाकर कंप्लेंट करना पड़ता है वहां से टिकट जनरेट होता है उसे देखकर कंपनी वाले अपने इंजीनियर को भेज कर सही करवाते हैं जो वहां के पोस्टमास्टर चउ ाप जिम्मेदारी है कब सही होगा इसका जवाब उनके पास भी नहीं। लगातार बृजमनगंज उप डाकघर पर नेट की समस्या सुनते सुनते खाते धारक परेशान हो गए हैं। और नेट की मार झेल रहे है। और काफी आक्रोशित भी दिखाई दे रहे हैं यदि जल्द से जल्द नेट की व्यवस्थाएं सही नहीं हुई तो बढ़ती समस्याओं को देखते हुए अप्रत्याशित घटनाएं भी हो सकती हैं।

43 वर्षीय महिला अचानक घर से हुई गायब

परिजनो ने काफी खोजबीन के बाद थाने पर दिया लिखित तहरीर

दैनिक बुद्ध का संदेश

परसामलिक/नौतनवां। परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत महदईया निवासी प्रभुदयाल पुत्र हरी ने शुक्रवार को उपरोक्त थाने पर एक लिखित तहरीर देकर गुमसुदगी दर्ज कर गायब अपनी बुआ को तलाशने की मांग किया है। जिसमे प्रभुदयाल ने लिखा है। की बीते 6 अप्रैल की सुबह लगभग 10 बजे मेरी बुआ दुर्गावती उम्र 43 वर्ष जो बोलने और सुनने मे असर्मथ है। वह अचानक घर से गायब हो गई है। जिसका हम परिजन नात रिस्तेदार सहित आसपास काफी खोजबीन किये परन्तु वह नही मिली। आवश्यक कार्यवाही हेतु थाने पर लिखित तहरीर दिया है। वही इस सन्दर्भ मे थानाध्यक्ष गोरखनाथ सरोज ने बताया कि गायब महिला का गुमसुदगी दर्ज कर जांच पडताल किया जा रहा है।

अज्ञात कारणो से गेहूँ की खडी फसल मे लगी आग

दैनिक बुद्ध का संदेश

परसमालिक/नौतनवां। ग्रामीणों की सूझबूझ और एस एसबी के जवानों की मदद से लोगो ने आग पर काबू पाया परसामलिक

थाना क्षेत्र के झिगंटी मुजहना खैरहवा दुबे की सिवान मे शुक्रवार की दोपहर लगभग दो बजे खेत मे खडी गेहूं की फसल मे अचानक आग लग गया। आग लगने की जानकारी होने पर मौके पर पहुचे ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस और फायर सर्विस अग्निशमन को दिया। वही खेत मे आग लगने की जानकारी होने पर घटना स्थल से कुछ दुरी पर मौजूद एस एस बी कैम्प पर तैनात सभी एस एस बी के जवानों ने पहुचकर ग्रामीणों के साथ आग पर काबू पाया। मिली जानकारी के मुताबिक ,प्रकाश व श्रीकिशुन निवासी खैरहवा दुबे के खेत मे खडी लगभग एक एक एकड गेहूं की फसल जल गया है। वही आग बुझने की जानकारी होने पर फायर सर्विस की गाडी आधे रास्ते से ही वापस चली आई।

उ.प्र.उधोग ब्यापार मंडल विधानसभा पदाधिकारी का हुआ गठन

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल फरेंदा विधानसभा अध्यक्ष आशीष जायसवाल के नेतृत्व में उ.प्र. उधोग ब्यापार मंडल विधानसभा कार्यालय कालेज रोड बृजमनगंज मे शुक्रवार दोपहर बारह बजे बैठक का आयोजन किया गया। ब्यापारियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विंदुओं पर चर्चा कर संगठन का विस्तार करते हुए पदाधिकारियों का गठन किया गया। जहां काफी संख्या में ब्यापारी एकत्रित हुए। बैठक में मुख्य अतिथि भाजपा सह प्रकोष्ठ संघ के अध्यक्ष राकेश जायसवाल रहे। जहां सर्वसम्मति से कस्बे के सम्मानित ब्यापारी नीरज जायसवाल को विधानसभा मे मंत्री पद, दिनेश जायसवाल को मंत्री पद, वरिष्ठ पत्रकार जगदम्बा जायसवाल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष

वरिष्ठ पत्रकार गौरव जायसवाल को उपाध्यक्ष, संगम जायसवाल उपाध्यक्ष, राजकुमार वर्मा उपाध्यक्ष, श्याम प्रकाश जायसवाल संगठन मंत्री, संजय वर्मा उपाध्यक्ष, राजू जायसवाल को मंत्री, मधुर श्याम पोटर मीडिया सेल विधानसभा का नियुक्त किया गया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए विस्तार करना जरूरी है आज कार्यालय पर खुली बैठक का आयोजन किया गया जिसमें कस्बे से आये सभी ब्यापारियों के हित में आप सब के साथ मिल कर लडाई लडूंगा। ब्यापारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का कार्य हमारा संगठन मजबूती के साथ करेगा। यदि कोई भी अधिकारी किसी ब्यापारी को प्रताड़ित करता है तो ब्यापारी अपनी समस्या हमारे मोबाइल नंबर 8299200015 पर अवगत कराये।

राजकीय पुस्तकालय बनेगा आधुनिक–मुख्य विकास अधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला मुख्यालय पर स्थित एकमात्र राजकीय

पुस्तकालय की हालत जहां बहुत खराब थी वही जिला मुख्य विकास अधिकारी पुलकित गर्ग के प्रयासों से नीति आयोग के सीएसआर मध्य राजकीय पुस्तकालय को आधुनिक बनाया जाएगा। आपको बता दें कि मुख्य विकास अधिकारी ने नीति आयोग के सी0एस0आर0 मद से राजकीय पुस्तकालय के मरम्मत एवं सुन्दरीकरण का कार्य का निरीक्षण किया। मुख्य विकास अधिकारी पुलकित गर्ग ने बताया की परियोजना की लागत रू. 49.46 लाख है। परियोजना का कार्य कार्यदायी संस्था यू0पी0आर0आर0एन0एस0 द्वारा कराया जा रहा है। जिसमें लाइब्रेरी रैक, सेल्स टेबुल इत्यादि का का पुर्ननिर्माण कराया जायेगा। लाइब्रेरी में अत्याधुनिक उपकरणों से सहयोग प्राप्त कर शिक्षा ग्रहण की जा सकती है। कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया गया कि गुणवत्ता पूर्ण अतिशीध्र कार्य पूर्ण कराये।

गोरखपुर पासपोर्ट सेवा केंद्र पर अब प्रतिदिन 1000 आवेदक ले सकेंगे अपाइन्मेंट

क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ ने नार्मल आवेदन में 75 और तत्काल में 25 अपाइन्मेंट बढ़ाये

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। पासपोर्ट की बढ़ती मांग के फलस्वरुप गोरखपुर केंद्र पर अब आवेदनों की संख्या बढ़ा दी गई है। गोरखपुर में अब प्रतिदिन एक हजार आवेदकों की प्रोसेसिग होगी। इसके अलावा पासपोर्ट कार्यालय लखनऊ से कुछ आंकड़े भी जारी किए गए हैं। मार्च 2022 में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय लखनऊ में पासपोर्ट संबंधी सेवाओं के लिए कुल 60590 आवेदन प्राप्त हुए तथा इस माह कार्यालय ने 99520440 का राजस्व अर्जित किया जो मार्च 2021 की तुलना में लगभग दुगुना है। मार्च 2021 में प्राप्त आवेदनों की संख्या 35378 थी तथा 5994800 का राजस्व अर्जित किया गया था। वर्ष 2021 में पासपोर्ट एवं संबंधित सेवाओं हेतु कुल 465197 आवेदन प्राप्त हुए थे जिनमें कुल 428414 पासपोर्ट एवं संबंधित दस्तावेज जारी किए गए कार्यालय ने वर्ष 2021 में कुल 771410884 का राजस्व अर्जित किया। यह जानकारी क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी कनिष्क शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय लखनऊ नागरिकों के लिए पासपोर्ट सेवा को सुलभ पारदर्शी विश्वसनीय एवं सुव्यवस्थित बनाने के प्रति सदैव प्रयत्नशील है तथा इसी क्रम में पासपोर्ट आवेदकों की सुविधा के लिए मार्च 2022 में कार्यालय द्वारा लंबित फाइलों के निस्तारण हेतु एक विशेष अभियान भी चलाया गया। पासपोर्ट आवेदकों की सुविधा के लिए कार्यालय द्वारा विशेष अभियान के दौरान पासपोर्ट सेवा केंद्र गोरखपुर में नार्मल 75 जबकि तत्काल 25 अपाइन्मेंट बढ़ाये गए हैं। आपको बता दें कि इस तरह गोरखपुर में नॉरमल 650 तत्काल के 75 और पीसीसी के 275 अपॉइंटमेंट प्रतिदिन दिए जा रहे हैं। कुल मिलाकर गोरखपुर में पासपोर्ट अपॉइंटमेंट की कुल संख्या 1000 पहुंच गई है।

एएसपी ने एसएसबी संघ बार्डर का किया निरीक्षण, ली जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। एएसपी सुरेश चंद्र रावत ने शुक्रवार को थाना शोहरतगढ़ के नेपाल सीमा पर खुनुआ पुलिस चौकी के अंतर्गत कस्बे के भाद मुस्तकम, बगुलहवा, डोहरिया बुजुर्ग, सेमरा आदि बॉर्डर के गांव में सशस्त्र सीमा बल ैठ) के उप सेनानायक सुस्वपन कुंडू के साथ संयुक्त नेतृत्व में जॉइंट पेट्रोलिंग की गई। बॉर्डर पर स्थापित मस्जिदों मदरसों व अन्य संस्थानों के प्रभारियों से तथा ग्रामीणों से वार्ता की गई।

पुलिस कार्यालय का वार्षिक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस उप महानिरीक्षकध्पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अमरेन्द्र प्रसाद सिंह द्वारा पुलिस कार्यालय के आंकिक शाखा का वार्षिक निरीक्षण किया गया तथा निरीक्षण के दौरान कार्यालय की साफ–सफाई व अभिलेखों का रखरखाव सन्तोषजनक पाया गया तथा कार्यालय में उपस्थित अधि0ध्कर्मचारीगण से वार्ता कर उनको आवश्यक आदेश–निर्देश दिए गये तथा कार्यालय में नियुक्त अधि0ध्कर्मचारीगणों को समय से कार्यालय में उपस्थित होने हेतु सख्त हिदायत दी गयी। इस दौरान क्षेत्राधिकारी ओबराध्आंकिक शंकर प्रसाद सहित शाखा प्रभारी व अन्य अधि0ध्कर्मचारीगण मौजूद रहे।

अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के संबंध में सक्रियता की जानकारी की गई। नेपाल की बॉर्डर सुरक्षा में लगी आर्म्ड पुलिस फोर्स के अधिकारियों से वार्ता कर बेहतर समन्वय हेतु परामर्श किया गया। आवागमन करने वाले व्यक्तियों पर सतर्क दृष्टि रखे जाने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। आवागमन करने वाले वाहनों की सघन चेकिंग तथा संदिग्ध स्थलों व मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे को और अधिक सक्रिय किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। जॉइंट पेट्रोलिंग के समय उप सेनानायक सशस्त्र सीमा बल सूस्वप्न कुंडू, पुलिस उप अधीक्षक यातायात अखिलेश वर्मा, थाना प्रभारी शोहरतगढ़ जय प्रकाश दुबे मैं पुलिस टीम के उपस्थित थे।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए नियमित व्यायाम व पौष्टिक आहार जरूरी

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर आयोजित हुए विविध कार्यक्रम

सीतापुर। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर वृहस्पतिवार को वर्ल्ड विजन इंडिया संस्था के वाश. अप कार्यक्रम के तहत मछरेहटा ब्लॉक के विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर विविध प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। मुख्य कार्यक्रम का आयोजन लोहंगपुर गांव के प्राथमिक विद्यालय में किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी रामकिशोर ने कहा कि अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए दैनिक दिनचर्या में सुधार, नियमित व्यायाम, पौष्टिक आहार और खेलकूद जरूरी है। इससे बच्चे दैनिक गतिविधि में उच्च कौशल प्राप्त कर सकते हैं। वर्ल्ड विजन इंडिया के स्कूल को.आर्डिनेटर अमित सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में सात अप्रैल का दिन विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण है। हर साल सात अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। पिछले वर्षों में कोरोना ने विश्व स्तर पर अपना प्रकोप दिखाया। दुनिया के लगभग हर देश में संक्रमण का प्रसार हुआ। ऐसे में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हर स्तर पर प्रयास किया कि दुनिया को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। सभी जगह बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं रहें और संक्रमण से बचाव हो सके। इसी तरह लगभग सभी देश बीमारी से मुक्त हों और उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में किसी प्रकार की कोई कमी न हो, यही विश्व स्वास्थ्य दिवस को मनाने का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है। स्कूल को. आर्डिनेटर गोविंद सेन ने कहा कि बच्चों की आदतों में सुधार होना जरूरी है, जिससे बौद्धिक, मानसिक, शारीरिक विकास अच्छे से हो सके। उन्होंने बताया कि हर साल सात अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना को विश्व स्वास्थ्य दिवस के रूप में आयोजित किया जाता है। वर्ष 1950 में इसकी स्थापना की गयी थी ताकि विश्व में एक समान स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रति जागरूकता फैलाई जा सके। इस अवसर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा चार की गार्गी, कक्षा तीन के निखिल और कक्षा चार के अजीत को क्रमशरू प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने पर पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। प्रतियोगिता में आदित्य, सचिन, प्रांशी, दीपू, रोली, अनुज, सत्यम आदि ने भी प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में नोडल शिक्षक लोहंगपुर सत्य कुमार गुप्ता, ग्राम प्रधान जयप्रकाश सिंह, प्रधानाध्यापक महेंद्र प्रताप निर्मल, सहायक अध्यापक दीपक गुप्ता आदि उपस्थित रहे। इसके अलावा वाश अप कार्यक्रम में आच्छादित प्राथमिक विद्यालय रालामऊ, पेरिया कोडर, बहादुरपुर, मामूपुर, कठेला, बीहट बीरम एवं गौरिया में भी विश्व स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सड़ी गली अवस्था में फांसी के फंदे से लटकता मिला युवक का शव

सिधौली (सीतापुर)। कोतवाली सिधौली के सीरगंज गांव के घर पत्नी के मायके जाने से दुखी एक व्यक्ति का शव उसके घर में सड़ी गली अवस्था में फांसी के फंदे से लटकता पाया गया। बताते हैं कि बीते रविवार को उसकी पत्नी मायके गई थी और पत्नी के उपरांत वह भी अपनी ससुराल गया था और ससुराल जाने के बाद जब वह घर से वापस आया था। तब से वह अपने घर से बाहर नहीं निकला था। जब घर के आसपास काफी बदबू फैलने लगी तो ग्रामीणों ने उसके घर में झांक कर देखा तो 22 वर्षीय युवक का शव फांसी के फंदे से लटक रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार सीरगंज निवासी बाइस वर्षीय ललित पुत्र टोर्रे की पत्नी ज्योति को उसका भाई रविवार को अपने घर ले गया था। जिस पर ललित ने उसे मायके जाने से मना किया था। पत्नी के मायके जाने पर वह भी उसके पीछे अपने ससुराल चला गया था। जहां पर उसका अपनी पत्नी के भाइयों से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था और रविवार की रात ही वह घर वापस आ गया था। वापस आने के बाद से ललित बहुत उदास था वह अपने घर पर अकेले ही रह रहा था। म्रतक के पिता लखनऊ में ईंट भऋे पर कार्य करते हैं। दो दिन से वह गांव में किसी को दिखाई नहीं पड़ा था। आज सुबह से ही उसके घर से बदबू आने के चलते लोगों ने खोजबीन शुरू की तो ललित का शव अंदर फांसी के फंदे से लटक रहा था। ग्रामीणों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस एवं युवक पिता को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्थानीय ग्रामीणों ने मृतक के पिता को भी सूचना दे दी थी। बताते हैं कि मृतक की दादी गांव में ही अपने दूसरे बेटे के साथ रहती थी घटना की जानकारी होने पर परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार शव दो से 3 दिन पुराना प्रतीत होता था।

आईटीएन मच्छरदानी का उपयोग करें, मच्छरजनित बीमारियों से बचें

हर घर को कीटनाशकों से कवर करना पर्यावरण व आर्थिक दृष्टि से उचित नहीं : डॉ. बाजपेयी

सीतापुर। मौसम के बदलते ही मच्छरजनित बीमारियां डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया पॉव पसारने लगती हैं। इससे बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा साल में तीन बार संचारी रोग नियंत्रण माह मनाया जाता है और इस दौरान लोगों को इन बीमारियों से बचाव के बारे में जागरूक किया जाता है। इसके साथ ही समय.समय पर रोग के प्रसार की स्थिति में कीटनाशकों का छिड़काव व अन्य जरूरी उपाय भी किये जाते हैं। अब संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम में इन्टीग्रेड ट्रीटेड मॉसक्यूटो बेड नेट आईटीएन उपयोग के बारे में भी लोगों को जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही इसके उपयोग पर भी जोर दिया जा रहा है।

यह कहना है लखनऊ मंडल के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के अपर निदेशक डा जीएस बाजपेयी का। वह बताते हैं कि हर घर को कीटनाशकों के माध्यम से कवर किया जाना न तो पर्यावरण की दृष्टि से उचित है और न ही आर्थिक रूप से इससे मनुष्य के स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचता है। सतत विकास के लिए यह आवश्यक है कि हम उन चीजों के उपयोग पर जोर दें। जिससे हमारा और हमारी आने वाली पीढियों का स्वास्थ्य बेहतर बन सके।

मंडलीय सर्विलांस अधिकारी डा. शैलेश परिहार बताते हैं कि आईटीएन के प्रयोग से जहां लागत कम आती है। वहीं यह मनुष्य, जीव जंतुओं के क्रम में पर्यावरण के लिए उपयुक्त है। मंडलीय एंटेमोलॉजिस्ट डॉ. मानवेंद्र त्रिपाठी बताते हैं कि आईटीएन का सबसे पहले उपयोग असम में मलेरिया से बचाव के लिये किया गया था। इससे मलेरिया को नियंत्रित करने में काफी हद तक सफलता मिली है। इसी क्रम में उड़ीसा के खदान वाले क्षेत्रों में भी आईटीएन के प्रयोग से मलेरिया के नियंत्रण में आशातीत सफलता मिली है। लखीमपुर खीरी के दुधवा तराई क्षेत्र के थारु जनजातियों के 34 गांवों में इसके उपयोग से मलेरिया सहित अन्य वेक्टर बार्न रोगों पर भी काबू पाया गया।

इस तरह तैयार करें आईटीएन मच्छरदानीः डा. मानवेंद्र बताते हैं कि 15 मिली कीटनाशक को चार लीटर पानी में डालकर घोल तैयार करते हैं और उसमें सिंगल बेड मच्छरदानी को 10 मिनट भिगोकर बिना निचोड़े हुए छायादार जगह पर सुखा लेते हैं। अच्छे से सूखने के बाद आईटीएन मच्छरदानी को प्रतिदिन सोते समय इसका उपयोग करें। यदि डबल बेड के लिए मच्छरदानी है तो कीटनाशक और पानी की मात्रा दुगुनी हो जाएगी। आईटीएन की इस पूरी प्रक्रिया के दौरान विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होती है। शरीर का कोई भी अंग कीटनाशक के संपर्क में नहीं आना चाहिए। इसलिए पर्सनल प्रोटेक्शन किट पीपीई पहनकर के ही आईटीएन की प्रक्रिया सम्पन्न की जाती है। आईटीएन ट्रीटमेंट के बाद, मच्छरदानी को छायादार स्थान पर सुखाने के बाद छह माह तक इसे लगातार उपयोग मे लाया जा सकता है। इसे छह माह तक धोना नहीं हैं और न ही इसे तेज धूप में सुखाना चाहिये क्योंकि कीटनाशक प्रभावी नहीं रह पाएगा। इस प्रकार से आईटीएन मच्छरदानी का उपयोग करने से जहां हम मच्छरों से बचे रहते हैं। वहीं हमारा स्वास्थ्य और पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है।

स्कूल चलो अभियान की रैली निकालते वक्त हुआ विवाद

सेउता (सीतापुर)। थाना रेउसा क्षेत्र में छात्रों द्वारा सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत स्कूल चलो अभियान की रैली निकालते समय विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दबंगों ने सेवा निवृत्त अध्यापक को चाकू मार कर घायल कर दिया। जिन्हें सीएचसी रेउसा में भर्ती कराया गया। घटना रेउसा थाना क्षेत्र के सेमरा गांव में स्कूल चलो अभियान के तहत विद्यालय से जागरूकता रैली निकाली जा रही थी। इस बीच रैली गांव के अंदर प्रवेश कर रही थी। तभी गांव के ही निवासी विमल पुत्र राम मनोहर अपनी बाइक से निकले और रास्ता खाली करने की बात कहकर अभद्र भाषा में गाली गलौज करने लगे और मारपीट होने लगा। वहीं मौके पर मौजूद शिक्षा समिति के अध्यक्ष व सेवा निवृत्त अध्यापक सेमरा गांव निवासी सुरेश प्रकाश श्रीवास्तव से वाद विवाद बढ़ गया। जिस पर बाइक सवार विमल ने सेवा निवृत्त अध्यापक पर धारदार चाकू से हमला कर घायल दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची रेउसा पुलिस ने आरोपी को पकड़कर रेउसा ले गयी। वहीं घायल ने रेउसा थाने में तहरीर देकर पुरानी रंजिश होने की बात कही और जिसमें गांव के विमल, कौशल, विजय पुत्रगण राम मनोहर व इनके भांजे सुबोध पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। रेउसा पुलिस ने घायल का रेउसा सीएचसी में मेडिकल परीक्षण कराया। जब इस बाबत में रेउसा इंस्पेक्टर ओपी तिवारी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि इस घटना की जानकारी हमें नहीं है।

थमने का नाम नहीं ले रहा चोरियों का सिलसिला, आखिर कहां जाता माल

बिसवां नगर (सीतापुर)। कोतवाली क्षेत्र बिसवां कस्बे में एक के बाद एक लगातार चोरियों का सिलसिला जो रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है। ताजा मामला आज फिर एक मोटर साइकिल चोरी हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के भेटौरा निवासी जय सिंह पुत्र राधे लाल कुछ आवश्यक समान लेने के लिए बिसवां आया था और उसने अपनी मोटर साइकिल यूपी 34–4114 सेठ गंज तिराहा विनोद दाल की दुकान के पास गाड़ी खड़ी कर सामान खरीदने लगा। 10 मिनट बाद वापस लौट कर आया तो उसकी गाड़ी वहां पर नहीं थी। काफी खोजबीन करने के बाद भी वह मोटरसाइकिल को खोज नहीं सका। हार थककर उसने पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया लेकिन सोचनीय बिषय यह है कि कस्बा व देहात का चोरी किया माल आखिर बिकता कहाँ है। क्या कस्बे के बाहर उसको बिक्री किया जा रहा है। अथवा नगर के ही कुछ तथा कथित दुकानदारों द्वारा औने पौने दामो में चोरी का माल खरीदा जा रहा है। स्थानीय पुलिस को इस पर कड़ी नजर रखनी चाहिए। जिससे इन अपराधों पर अंकुश लगाया जा सके।

व्यापारी,ग्राम प्रधान, सभासद गणों व कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रीय विधायक को माला पहनाकर किया जोरदार स्वागत

हरदोई। नगर पंचायत कछौना पतसेनी कस्बे में क्षेत्रीय विधायक का व्यापारी, ग्राम प्रधान, सभासद गण व कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर जोरदार स्वागत किया। विधायक सभी का सहयोग, प्यार, स्नेह पाकर अभिभूत हो गए। उन्होंने कहा कि आप सभी ने जो जिम्मेदारी सौंपी उसका ईमानदारी से पालन करेंगे। आपके अधिकारों व क्षेत्र के विकास के लिए सतत प्रयासरत रहेंगे। पिछले दो वर्षों में कोविड–19 के कारण विकास कार्य प्रभावित हुए, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर कार्य कराए जाएंगे। ग्राम सहित नगर में विकास कार्यों को कराया जाएगा। जन कल्याण की दिशा में सदैव बेहतर कदम उठाए जा रहे हैं। डबल इंजन की सरकार विभिन्न योजनाओं का लाभ देकर अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की जिंदगी में बदलाव लाने के लिए सदैव प्रयासरत हैं। क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा के स्वागत समारोह कार्यक्रम में कछौना के गणमान्य नागरिकों, व्यापारी गण, सभासद गण, ग्राम प्रधान व समाजसेवी कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के संयोजक युवा भाजपा नेता पंकज शुक्ला ने रखा था। युवा पंकज शुक्ला नगर के लोगों के सुख–दुख में सदैव आगे आकर कंधे से कंधा मिलाकर मजबूती से खड़े मिलते हैं। वह कोविड महामारी के दौरान प्रत्येक मोहल्ले में जाकर लोगों को आवश्यक राशन सामग्री, आर्थिक सहायता व दवाओं को उपलब्ध करवा कर महामारी में लोगों के साथ खड़े मिले। युवाओं, आम जनमानस की उम्मीदों पर सदैव खरे उतरते हैं। कार्यक्रम का संचालन व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष क्रांतिवीर सिंह ने किया। युवा कवियों ने अपनी ओजस्वी कविताओं व गजलों से लोगों को आनंदित किया। युवा कवि अजीत शुक्ला, पवन कुमार, वैभव शुक्ला ने अपनी कविताओं से श्रोताओं का मन मुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम में डॉ० अनिल गुप्ता, प्रधानाचार्य राम शंकर शुक्ला, मंडल अध्यक्ष नवीन पटेल, जिला मंत्री अजय शुक्ला, व्यापार मंडल अध्यक्ष गौरव गुप्ता, युवा मोर्चा व्यापार मंडल अध्यक्ष रवी गुप्ता, सत्यम गुप्ता, सर्व वैश्य समाज के अध्यक्ष तुलसी गुप्ता, दुर्गेश गुप्ता, पुनीत गुप्ता, निलेश गुप्ता, मुकेश गुप्ता, संजीव गुप्ता, अनूप दीक्षित, राम शंकर गुप्ता, गोपाल जी गुप्ता, डॉ० नृपेन्द्र वर्मा, डॉ० सर्वेश मिश्रा, पूर्व प्रधान कौशल दीक्षित, युवा नेता सूर्या गुप्ता, मनोज पाण्डेय, विनय शुक्ला, सभासद गण धर्मेंद्र सिंह, अभय सिंह उर्फ टिंकू, सोनू सिंह, नीरज शुक्ला, पी०डी० टेलीकॉम प्रतिष्ठान के हरिशरण गुप्ता, क्षेत्र पंचायत प्रतिनिधि आदि रहे।कार्यक्रम के संयोजक युवा नेता पंकज शुक्ला ने सभी का आभार जताया।

खनन अधिकारी ने 3 अवैध ओवरलोड मौरंग व गिट्टी लदी ट्रकों का किया चालान

सिधौली (सीतापुर)। हाइवे स्थित मौरंग मंडी अचानक पहुंचकर जिला खनन अधिकारी ने छापामारी करते हुए 3 अवैध ओवरलोड मौरंग व गिट्टी लदी ट्रकों का चालान कर शमन वसूल किया। जिला खनन अधिकारी संजय प्रताप अपने दलबल के साथ सिधौली के अहमदपुर जट स्थित मौरंग मंडी पहुंच गये। मंडी पहुंचने की सूचना मिलते ही मौरंग मंडी से मौरंग, गिट्टी व बालू लदे ट्रक आनन फ ानन में गायब हो गये। जिला खनन अधिकारी ने ओवरलोड तीन वाहनों का आनलाइन चालान करते हुए 43600 रुपये का शमन शुल्क वसूल किया। जिला खनन अधिकारी संजय प्रताप ने बताया कि ओवरलोड बालू व गिट्टी लादकर ट्रकों का संचालन लंबे समय से क्षेत्र में किया जा रहा है। इससे जहां हर माह लाखों रुपये राजस्व को क्षति पहुंच रही है। वहीं सड़कें भी क्षतिग्रस्त हो रही हैं। आगे बताया कि यह अभियान सिधौली मिश्रिख मार्ग पर सिधौली महमूदाबाद मार्ग, सिधौली बिसवां मार्ग पर आगे भी चलाया जाएगा। क्षेत्र में बिना परमिट, अवैध रूप से ओवर लोडिंग कर शासन को राजस्व की हानि कर सड़कों को क्षति पहुंचाने वाले वाहनों का संचालन किसी भी हाल में नहीं होने दिया जाएगा। बता दें के अहमदपुर जट गांव के निकट हाईवे पर उक्त अवैध मौरंग मंडी बीते कई वर्षों से मौरंग माफि याओं के संरक्षण में संचालित हो रही है। आने वाले मौरंग मध्य विद्यालय ओवरलोड वाहनों के खड़े होने से भारी मात्रा में जाम की स्थिति भी पैदा होती है और यहां पर कई हादसे भी हो चुके हैं। जिनमें कई लोग अपनी जान वाह चुके हैं।

परीक्षा देते समय छात्रा बेहोश, अस्पताल में भर्ती

सिधौली (सीतापुर)। क्षेत्र के ग्रामोदय इंटर कॉलेज बांसखेर में इंटर की परीक्षा देते समय छात्रा बेहोश हो गई। विशेष सामुदायिक स्वास्थ्य सिधौली में भर्ती करवाया गया। जानकारी के अनुसार सिधौली कोतवाली के मनिकापुर गांव निवासी शिखा रावत पुत्री संतोष कुमार, श्री प्रभु श्री प्रभु दयाल बालिका इंटर कॉलेज इंटर की छात्रा है। जो बांसखड़ा गांव के ग्रामोदय साथी छात्रा सुधा रावत के साथ परीक्षा केंद्र पर इंटरमीडिएट की परीक्षा देने गई थी। परीक्षा देते समय अचानक शिखा को चक्कर आ गया और वह बेहोश हो गई। परीक्षा कक्ष में हड़कंप मच गया और वहां पर अफरा.तफरी का माहौल है। परीक्षा परीक्षक विद्यालय प्रशासन द्वारा 108 एंबुलेंस है। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली भेजो। वह परिजनों को सूचित किया सीएचसी सिधौली में उसका इलाज किया गया। डॉक्टरों के अनुसार यह हीट वेव का असर हो सकता है। फिलहाल छात्रा की हालत ठीक थी।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर सीएचसी का विधायक ने किया निरीक्षण

हरदोई। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा ने स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत जानने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कछौना का निरीक्षण किया। बेहतर स्वास्थ्य सेवायें करने के लिए अधीक्षक को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बताते चलें कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कछौना में काफी अनियमितताओं की शिकायतें मिलती हैं। सरकार एक तरफ स्वास्थ्य सेवाओं की पूरी सूरत बदलने के लिए सतत प्रयासरत है, लेकिन विभागीय अधिकारी सरकार की मंशा पर पलीता लगा रहे हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में काफी गंदगी रहती है, बड़ी–बड़ी घास खड़ी रहती है। पेयजल के लिए इंडिया मार्का नल कई खराब पड़े हैं। जिससे भीषण गर्मी में आम जनमानस को काफी दिक्कत उठानी पड़ती है। ज्यादातर स्वास्थ्य कर्मी नियमित रूप से नहीं आते हैं। एक डॉक्टर लगभग छः माह से नहीं आ रहे हैं, उनकी फर्जी उपस्थिति दर्ज की जा रही है। डॉक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों की नियमित उपस्थिति के लिए बायोमेट्रिक मशीन को जिम्मेदार जानबूझकर खराब कर दिए हैं। जिससे डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मी मनमाने तरीके से आते हैं। भर्ती मरीजों के बिस्तर पर चादर नहीं डाली जाती है। जिस पर विधायक ने कड़ी नाराजगी जताई। इस संदर्भ में अधीक्षक ने बताया कि दो वर्षों से चादरें नहीं मिली हैं, जिसके कारण असुविधा हो रही है। मरीजों को डॉक्टर ज्यादातर दवाएं व जांचे बाहर से लिखते हैं, जिसमें डॉक्टरों को मोटा कमीशन मिलता है। इस व्यवस्था पर तत्काल रोक लगाने का निर्देश दिया। महिला प्रसाधन में हमेशा ताला लगा रहता है, जिस पर उन्होंने तत्काल खुलवाने का निर्देश दिया। ज्यादातर मरीजों व गर्भवती महिलाओं को डॉक्टरों द्वारा रिफर कर दिया जाता है,जिससे वह प्राइवेट में इलाज कराने को विवश हैं। विधायक ने समस्त डॉक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों की जोइनिंग तिथि वार, नाम वार व पद वार उपलब्ध कराने का अधीक्षक को निर्देश दिया। शासनादेश को दरकिनार करने वाले डॉक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों को हटाया जाएगा। विधायक ने बताया कि सभी को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिले, स्वच्छता व निरोगी काया का होना अहम है, जोकि अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। बेहतर सेवाएं देने के लिए कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

सिधौली (सीतापुर)। भारतीय मीडिया फाउंडेशन के पत्रकारों ने बलिया में पत्रकारों के साथ हो रहे व्यवहार अन्याय के विरुद्ध मुख्यमंत्री को संबोधित 6 सूत्रीय ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा। इस मौके पर सिधौली तहसील क्षेत्र के काफी संख्या में पत्रकार एकत्र हुए और पत्रकारों के विरुद्ध हो रहे अन्याय के विरोध में आवाज बुलंद की। ज्ञापन में बलिया के पत्रकारों पर दर्ज मुकदमा वापस लिए जाने की मांग व दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग करते हुए पत्रकार सुरक्षा कानून लागू किए जाने की मांग की। इस अवसर पर सिधौली क्षेत्र के सभी इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया के पत्रकार मौजूद रहे।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर निःशुल्क पतंजलि योग शिविर का आयोजन

हरदोई।पतंजलि योग समिति हरदोई के जिला प्रभारी हरिबंश सिंह द्वारा शहीद उद्यान हरदोई में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर निःशुल्क पतंजलि योग शिविर का आयोजन किया गया और लोगो को स्वस्थ रहने का तरीका बताया गया। हरिबंश जी ने बताया कि समय से खाना समय से सोना और समय से उठना बहुत ही समय से योग करना आवश्यक है जिसे नियमित दिनचर्या कहते है। यदि हम सब नियमित योग करे तो हमारा राष्ट्र स्वस्थ,समृद्ध शाली और भैवभ शाली होकर विश्व मे कीर्तिमान स्थापित कर सकता है। अच्छा जीवन जीने के लिए योग और यज्ञ को अपनाना चाहिए। अनूप कुमार तिवारी जी ने बताया उन्होंने 39 किलो व जन कम करके अपने स्वस्थकर आनन्द की अनुभूति कर रहे हैं और दूसरो को योग के प्रति प्रेरित कर रहे हैं। शशी मौर्या ने 40 किलो बजन कम कर नया जीवन पाना जैसा महसूस कर रही हैं। रिन्की गुप्त ने बजन कम कर प्रतिभा गुप्ता ने डायबिटीज पर जीत हासिल कर तोताराम गुप्त ने भी बहुत लाभ लेकर अव सभी दूसरो को योग कराकर लाभ पहुंचा रहे है। उक्त अवसर पर दिलीप कुमार गुप्ता, महा सिंह, रामकिशोर पाल, रामनरेश गुप्ता, राममिलन गुप्ता, ललित कुमार गुप्ता, सुनीत गुप्ता, रामशरण पाल, सतेन्द्र सिंह, श्रीमती शशिकला सिंह, माला सिंह, गीता, माधुरी, संगीता, ज्योति मिश्रा, रेनू शुक्ला प्रभा सिंह आदि ने भाग लिया।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतिनगर, मधुकरपुर, निकट हीरो होंडा एजेन्सी, सिद्धार्थनगर, 272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2012/49458
संस्थापकः- स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादकः- राजेश कुमार शर्मा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एंव सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इन से उत्पन समस्त विवाद जनपद सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।
8795951917, 9453824459
ई-न्यूज पेपरः- www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

अपने बेडरूम को नया लुक देने के लिए अपनाएं ये तरीके, लगेगा बहुत ही खूबसूरत

जब भी बात बेडरूम को नया लुक देने की आती है तो अममून लोगों का सबसे पहला ध्यान खर्चे पर जाता है और इस कारण कई लोग बेडरूम को नया लुक देने का ही टाल देते हैं। हालांकि, अगर आप क्रिएटिव हैं तो आप कम बजट में ही अपने बेडरूम को शानदार लुक दे सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने बेडरूम को बहुत आसानी से नया लुक दे सकते हैं। पेंट करें: पेंट आपके बेडरूम को नया लुक देने का सबसे आसान तरीका है। इसके लिए आपको न तो पेंटर्स की जरूरत है और न ही महंगे पेंट की। बस आप कुछ डीआईवाई ट्रिक्स आजमाएं और अपने बेडरूम की सिर्फ एक दीवार को नया लुक दें। बेहतर होगा कि आप इसके लिए पेस्टल रंग के पेंट चुनें क्योंकि वे आजकल ट्रेंड में हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने पुराने फर्नीचर के रंग को भी बदल सकते हैं। लाइट्स करेंगी कमाल: आप चाहें तो लाइटिंग व्यवस्था से भी अपने बेडरूम को नया लुक दे सकते हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि बेडरूम में ऐसी लाइट्स का इस्तेमाल अच्छा रहता है, जो बहुत ज्यादा चटख न हो और इतनी हल्की भी न हो कि देखने में समस्या हो। इसके लिए आप स्टेटमेंट येलो एलईडी लाइट्स को चुन सकते हैं क्योंकि ये आपके बेडरूम को रॉयल टच देगीं। इसके अतिरिक्त, आप लेयर्ड लाइटिंग का विकल्प भी चुन सकते हैं। रग खरीदें: रग यानी एक छोटा कालीन, जिसके जरिए भी आप अपने बेडरूम को नया लुक दे सकते हैं। यह आपके बेडरूम को शांत और आरामदायक बना सकता है। खासकर, अगर आपके बेडरूम का फर्श लकड़ी का है तो रग इसे खरोंच से बचाएगा। हालांकि, ध्यान रखें कि आजकल मार्केट में कई डिजाइन, रंग और साइज में रग मिलते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि आप अपने बेडरूम के साइज के अनुसार और गहरे रंग के रग को चुनें।

अन्य टिप्स: ये टिप्स भी आ सकती हैं आपके काम: आप अगर अपने बेडरूम को नया लुक देना चाहते हैं तो इसमें से बहुत पुरानी चीजों को घर से बाहर कर दें और पुराने फ्रेम्स को भी दीवारों से हटा दें। इसके अतिरिक्त, अगर आप अपने बेडरूम को खुला और खूबसूरत लुक देना चाहते हैं तो आप संतुलित मात्रा में ही फर्नीचर का इस्तेमाल करें। इसके साथ ही आप अपने बेडरूम में कुछ इंडोर प्लांट्स भी रख सकते हैं।

रेड ड्रेस पहन मोनालिसा ने मचाई तबाही, लुक देख इम्प्रेस हुए फैंस

टीवी जगत की मशहूर अदाकारा मोनालिसा मनोरंजन जगत की जानी मानी अभिनेत्रियों में से एक हैं। मोनालिसा सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहती है, वही प्रशंसक उनकी पोस्ट और एक झलक पाने के लिए बेसब्री से प्रतीक्षा करते हैं। इसलिए वो प्रशंसकों के लिए सोशल मीडिया पर बहुत सक्रीय रहती हैं तथा

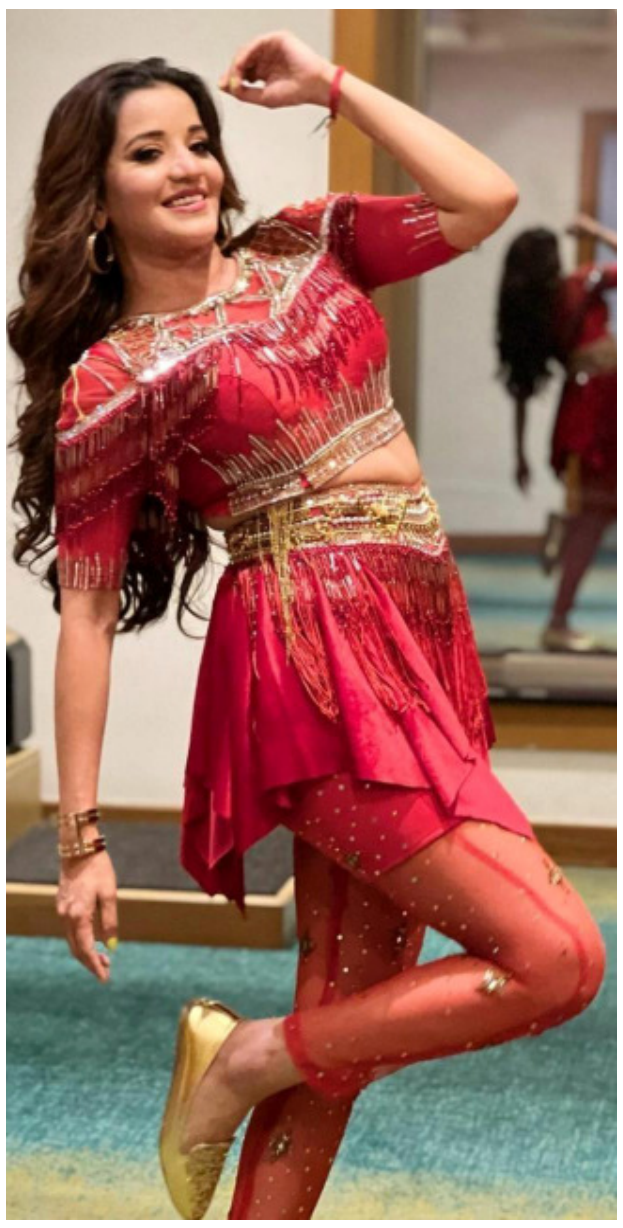

स्वयं से जुड़ी पोस्ट्स साझा करती रहती हैं। वही इसी बीच अब उन्होंने अपनी नई फोटोज से तहलका ही मचा दिया है, जिसमें उन्हें रेड कलर की झालरदार मिनी स्कर्ट में देखा जा सकता है। मोनालिसा की ये फोटोज हैदराबाद के किसी इवेंट की है, जिसमें मोनालिसा ने हाल ही में शिरकत की। उनकी इस ड्रेस एक बात तो स्पष्ट जाहिर है कि उन्होंने बेहतरीन स्टेज परफॉर्मेंस दी है।

वही मोनालिसा ने भी तस्वीरों को साझा करने के साथ ही लिखा, क्या शानदार रात रही है। इवेंट, हैदराबाद। सोशल मीडिया पर सामने आई फोटोज में देखा जा सकता है कि उन्होंने कानों में बड़ी ईयरिंग्स, आंखों में काजल और सिंपल मेकअप के साथ खुले बालों में पोज दे रही हैं और बहुत ही खूबसूरत लग रही हैं। मोनालिसा के प्रशंसक उनके इस लुक की प्रशंसा करते नहीं थक रहे हैं। उनकी ननद रिया सिंह ने कमेंट में फायर वाली इमोजी साझा की है। इसके अतिरिक्त प्रशंसकों ने तो पागलों की तरह कमेंट्स किए हैं। फैंस ने तो तारीफों के पुल बांध दिए हैं। हर कोई उन्हें ग्लैमरस, गॉर्जियस बोल रहा है। उनकी ये तस्वीरें इस समय सोशल मीडिया पर छाई हुई है।

बजरंगी भाईजान को पछाड़कर तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बनी आरआरआर

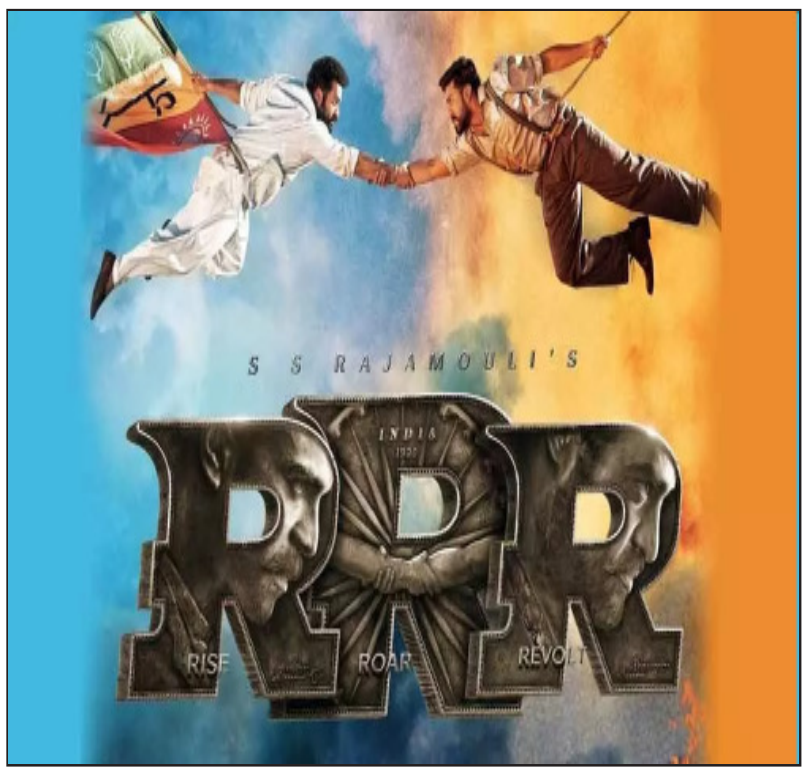

एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर ने बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर दिया है। देश ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में इस फिल्म को पसंद किया जा रहा है। राम चरण, जूनियर एनटीआर, आलिया भट्ट और अजय देवगन के अभिनय से सजी फिल्म ने कई रिकॉर्ड धवस्त कर दिए हैं। अब एक अनोखा रिकॉर्ड इस फिल्म के साथ जुड़ गया है। आरआरआर सलमान खान की बजरंगी भाईजान को पछाड़कर तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, राजामौली की आरआरआर तीसरी सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन चुकी है। इस फिल्म ने अपनी रिलीज के 11 दिनों में दुनियाभर में 934 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। ट्रेड एक्सपर्ट की मानें तो यह फिल्म बहुत जल्द 1,000 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हो जाएगी। उम्मीद है कि आरआरआर और भी कमाई के कई रिकॉर्ड अपने नाम करेगी। आरआरआर ने कमाई के मामले में बजरंगी भाईजान और सीक्रेट सुपरस्टार को पीछे छोड़ दिया है। 2017 में आई सीक्रेट सुपरस्टार ने 830 करोड़ रुपये की कमाई की थी। आमिर खान अभिनीत यह फिल्म पांचवीं सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्म है। वहीं, 2015 में रिलीज हुई बजरंगी भाईजान इस सूची में चौथे स्थान पर खिसक गई है। इस फिल्म ने 858 करोड़ रुपये का शानदार कलेक्शन किया था। आरआरआर फिलहाल आमिर खान की सुपहिट फिल्म दंगल और प्रभास की बाहुबली 2रू द कन्क्लूजन को मात नहीं दे पाई है। 2016 में रिलीज हुई दंगल सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्म है। इस फिल्म ने दुनियाभर में 1,924 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था। साउथ स्टार प्रभास की बाहुबली 2रू द कन्क्लूजन दूसरी सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म है। फिल्म ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 1,749 करोड़ रुपये बटोरे थे। फिल्म में 1920 के दशक की कहानी को फिल्माया गया है। इसमें राम और एनटीआर भाई की भूमिका में नजर आए हैं। फिल्म दो महान स्वतंत्रता सेनानियों अल्लूरी सीताराम राजू और कोमाराम भीम की कहानी पर आधारित है। इन्होंने अंग्रेजों और हैदराबाद के निजाम से भी आजादी की लड़ाई लड़ी थी। 450 करोड़ रुपये से अधिक के बजट में इस फिल्म को बनाया गया है। फिल्म 25 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। नेटफ्लिक्स और जी5 ने फिल्म के स्ट्रीमिंग राइट्स हासिल किए हैं। थिएट्रिकल रिलीज के बाद फिल्म तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में जी5 पर रिलीज होगी। नेटफ्लिक्स पर फिल्म हिन्दी, पुर्तगाली, कोरियाई, तुर्की और स्पेनिश भाषाओं में प्रसारित होगी।

अभिनेत्री सयानी गुप्ता की फिल्म शेमलेस ओटीटी पर रिलीज

अभिनेत्री सयानी गुप्ता और अभिनेता हुसैन दलाल की फिल्म शेमलेस ओटीटी पर रिलीज की गई। इस फिल्म को भारत की तरफ से ऑस्कर के लिए भेजा गया था। फिल्म अमेजॉन मिनी टीवी पर रिलीज की गई है। फिल्म के प्रोड्यूसर गिरीश प्रभु ने कहा, हमें खुशी है कि हम एक ऐसी फिल्म पर्दे पर लाए हैं, जिसकी कहानी दर्शकों को पसंद आएगी। शेमलेस कीथ गोम्स द्वारा निर्देशित और शबीना खान द्वारा निर्मित की गई है। शेमलेस में सयानी और हुसैन ने शानदार किरदार निभाया है। हमें खुशी है कि अमेजॉन मिनीटीवी के साथ, देश भर के दर्शक इस फिल्म का आनंद ले सकेंगे। फिल्म में प्रवीण एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की भूमिका में हैं, जो अपने घर पर अकेले रहते हैं। उनके उतार चढ़ाव में तब बदलाव आता है, जब उनका सामना भारती नाम की लड़की से होता है, जो एक डिलीवरी गर्ल का काम करती है।

टेनिस एल्बो के दर्द को दूर कर सकते हैं ये एसेंशियल ऑयल्स, ऐसे करें इस्तेमाल

टेनिस एल्बो एक दर्दनाक समस्या है, जो कोहनी के पास ऊपरी बांह की तरफ चोट लगने के कारण उत्पन्न होती है। इसे चिकित्सक भाषा में टेनिस एल्बो कहा जाता है। अमूमन इस समस्या से बैडमिंटन, गोल्फ और क्रिकेट आदि खेल खेलने वालों को दो–चार होना पड़ता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे एसेंशियल ऑयल्स के बारे में बताते हैं, जो प्राकृतिक रूप से टेनिस एल्बो के दर्द को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

पेपरमिंट एसेंशियल ऑयल

पेपरमिंट ऑयल यानी पुदीने के तेल का इस्तेमाल करने से टेनिस एल्बो के दर्द से राहत मिल सकती है। पुदीने के तेल में दर्द निवारक गुण मौजूद होते हैं, जो इस दर्द को दूर करते हैं। राहत के लिए पुदीने के तेल की कुछ बूंदें दर्द से प्रभावित कोहनी पर लगाकर हल्के हाथों से मालिश करें। इसके अलावा, आप चाहें तो पानी में पुदीने के तेल की कुछ बूंदें मिलाकर नहा भी सकते हैं। इससे भी आपको आराम मिलेगा।

लैवेंडर एसेंशियल ऑयल

लैवेंडर के तेल में मौजूद एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण टेनिस एल्बो की मांसपेशी को आराम देकर दर्द को दूर करने में मदद कर सकते हैं। राहत के लिए एक टब को आधा हल्के गर्म पानी से भरें और उसमें थोड़ा सेंधा नमक और लैवेंडर ऑयल की कुछ बूंदें मिलाएं। अब इस मिश्रण से प्रभावित कोहनी की सिकाई करें, फिर कोहनी को सूखे तौलिए से पोंछकर सुखा लें। बेहतर परिणाम के लिए दिन में दो बार इस प्रक्रिया को दोहराएं।

रोजमेरी एसेंशियल ऑयल

अगर कभी भी किसी कारणवश आपके टेनिस एल्बो की समस्या हो तो इससे राहत पाने के लिए आप रोजमेरी ऑयल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। रोजमेरी ऑयल से दर्द वाली कोहनी की मालिश करने से प्रभावित हिस्से का रक्त प्रवाह बेहतर होता है, जिससे कोहनी को दर्द से राहत मिल सकती है। दरअसल, इसमें ओमेगा–3 फैटी एसिड समेत कई तरह के पोषक तत्व भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जिनका कोहनी की मांसपेशी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

नीलगिरी एसेंशियल ऑयल

नीलगिरी एसेंशियल ऑयल में एनाल्जेसिक (दर्द निवारक) और एंटी–इंफ्लेमेटरी (सूजन कम करने वाला) प्रभाव पाए जाते हैं। ये प्रभाव टेनिस एल्बो के दर्द से राहत दिलाने में काफी मदद कर सकते हैं। राहत के लिए पहले इस तेल की कुछ बूंदों के साथ एक चम्मच जोजोबा ऑयल या फिर ऑर्गेन ऑयल मिलाएं। अब मिश्रण को उंगलियों की मदद से प्रभावित कोहनी पर कुछ मिनट तक हल्के हाथों से मलें। ऐसा दिन में दो से तीन बार करें।